विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभेच्छा

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

RSS के 100 साल: विजयदशमी उत्सव आज शामिल होंगे 21000 से अधिक स्वयंसेवक

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 275 रायपुर गुरूवार 02 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

RSS के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने कहा-संघ में कटुता की कोई जगह नहीं, राष्ट्र प्रथम ही मूल भाव

आजादी के बाद संघ को कुचलने का प्रयास हुआ

आरएसएस के 100 साल पर प्रधानमंत्री मोदी जारी किया विशेष डाक टिकट और सिक्का

नईदिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित शताब्दी समारोह में संघ को सेवा करने वाला एक बड़ा संगठन बताया। नई दिल्ली में स्थित डॉ अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्व में प्रतिबंध लगाने के प्रयास के बावजूद संगठन कभी भी कटु नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि संगठन समाज में अच्छे और बुरे दोनों को ही स्वीकार करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राष्ट्र साधना की इस यात्रा में ऐसा नहीं है कि संघ पर हमले नहीं हुए, संघ के खिलाफ साजिशें नहीं हुई...हमने देखा है कि कैसे आजादी के बाद संघ को कुचलने का प्रयास हुआ। उसे मुख्यधारा में आने से रोकने के लिए अनगिनत षड्यंत्र रचे गए। परमपूज्य गुरुजी (गोलवलकर) को झूठे केस में फंसाया गया, उन्हें जेल तक भेज दिया गया। मोदी ने आगे कहा कि इसके बावजूद कभी गुरुजी के मन में रोष नहीं था।

मोदी ने आगे कहा, गुरुजी के विचारों ने संघ के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इसीलिए चाहे संघ पर प्रतिबंध लगे, षड्यंत्र हुआ, झूठे मुकदमे हुए, लेकिन संघ के कार्यकर्ताओं ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया क्योंकि वे जानते हैं कि हम समाज से अलग नहीं है। समाज हम से ही बना है। जो अच्छा है वो हमारा है, जो अच्छा नहीं है वो भी हमारा है। संघ का संविधान पर अटूट विश्वास है, जो आपातकाल के समय दिखता है। उन्होंने कहा कि जेल में तरह-तरह की यातनाएं दी गई, अत्याचार हुए लेकिन गुरु जी के मन में कोई भेद नहीं था. उनका व्यक्तित्व ऋषितुल्य था. पीएम मोदी ने कहा कि संघ पर चाहे प्रतिबंध लगे, लेकिन स्वयंसेवकों ने मन में कटुता को कभी स्थान नहीं दिया. उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक के लोकतंत्र पर अडिग विश्वास ने मन में कटुता को जन्म नहीं लेने दिया।

अनेक थपेड़े सहते हुए भी अडिग खड़ा है संघ

पीएम मोदी ने कहा कि समाज के अनेक थपेड़े सहते हुए भी संघ विराट वृक्ष की तरह अडिग खड़ा है. उन्होंने कहा कि अभी एक स्वयंसेवक ने कितनी सुंदर प्रस्तुति दी- हमने देश को ही देव माना है और देह को ही दीप बनाकर जलना सीखा है. पीएम मोदी ने कहा कि शुरू से ही संघ राष्ट्रभक्ति का पर्याय रहा है. जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों लोगों को बेघर कर दिया, तब संघ के स्वयंसेवक शरणार्थियों की सेवा में अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े थे.

संघ की स्थापना परंपरा का पुनरुत्थान- पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे महापर्व पर सौ वर्ष पूर्व संघ की स्थापना कोई संयोग नहीं. यह हजारों वर्षों से चली आ रही परंपरा का पुनरुत्थान था, जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए-नए अवतारों में प्रकट होती है. उन्होंने कहा कि संघ उसी का पुण्य अवतार है. यह हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है, कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने को मिल रहा है. पीएम मोदी ने कहा कि आज इस अवसर पर संघ के स्वयंसेवकों को शुभकामना देता हूं. संघ के संस्थापक हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

शताब्दी वर्ष पर विशेष डाक टिकट और सिक्का जारी

नई दिल्ली एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विशेष डाक टिकट और सिक्का जारी किया है।

नई दिल्ली में स्थित डॉ अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में मनाए गए आरएसएस के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे। उन्होंने 1963 में राजपथ (अब कर्तव्यपथ) पर निकाली गई आरएसएस की परेड से जुड़ा एक डाक टिकट और आरएसएस स्मारक 100 रुपये मूल्य का सिक्का जारी किया है। आज जो डाक टिकट जारी हुआ है, उसमें स्वयंसेवकों के सेवा कार्य और 1963 में गणतंत्र दिवस की परेड की पुरानी तस्वीरों को शामिल किया गया है। कहा जाता है कि परेड तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के अनुरोध पर हुई थी, जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान नागरिकों की एकजुटता की प्रतीक थी। आरएसएस भी इस क्षण को गर्व से देखता है। सरकार ने स्मृति को आरएसएस के 100 वर्ष पर विशेष स्मारक डाक टिकट में संजोया है।

ईडी ने अनिल अंबानी से जुड़े छह ठिकानों पर की छापेमारी

मुंबई, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के खिलाफ चल रही जांच के सिलसिले में मुंबई और मध्य प्रदेश के इंदौर के पास महू में छह स्थानों पर छापे मारे. छापेमारी में पाथ इंडिया समूह का मुख्यालय और उस कंपनी के निदेशकों के आवास शामिल हैं. ये छापे अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर से संबंधित हैं और विदेशों में अवैध धन प्रेषण के आरोपों पर आधारित हैं. रिलायंस समूह और पाथ इंडिया समूह के बीच विभिन्न निर्माण परियोजनाओं से जुड़े समझौते थे. जांच एजेंसियों को संदेह है कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने अवैध रूप से विदेश में धन भेजा. इसके अलावा, ईडी भी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत रिलायंस समूह की कंपनियों के खिलाफ 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋ णों के डायवर्जन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच कर रहा है।

57 नए केंद्रीय विद्यालयों को दी मंजूरी

एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में 57 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने को मंजूरी दे दी है। सरकार ने इस परियोजना के लिए 2026-27 से शुरू होकर नौ वर्षों की अवधि में 5,862 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। इस राशि में से 2,585 करोड़ रुपये निर्माण और बुनियादी ढाँचे पर खर्च किए जाएँगे, जबकि 3,277 करोड़ रुपये स्कूलों के संचालन के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, दालों के लिए आत्मनिर्भरता मिशन को 11,440 करोड़ रुपये के बजट से मंजूरी दी गई है, जो छह वर्षों में चलेगा।

सरकार ने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की इसके अलावा, 1 जुलाई से प्रभावी, महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷केंद्र सरकार ने 1 जुलाई से प्रभावी, महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से लगभग 1.15 करोड़ केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

किसानों को तोहफा : गेहूं, चना, जौ समेत 6 फसलों की एमएसपी में हुई बढ़ोतरी

एजेंसी

दशहरे से ठीक एक दिन पहले, नवरात्रि के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की मीटिंग में दो ऐतिहासिक फैसले लिए गए। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ÷राष्ट्रीय दलहन मिशन÷ को मंजूरी देने के साथ ही रबी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में बढ़ोतरी की गई है।

शिवराज सिंह ने कृषि मंत्रालय के प्रस्तावों को मंजूरी देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश के किसानों की ओर से आभार व्यक्त किया है। **गेहूं, चना, जौ समेत 6 फसलों की एमएसपी में हुई बढ़ोतरी** शिवराज सिंह ने बताया कि आज रबी की 6 फसलों की नई स्क्क घोषित की गई है। उन्होंने कहा, ''मुझे कृषि मंत्री के रूप में बताते हुए खुशी है कि फसलों की एमएसपी में ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। गेहूं अब 2585 रुपये प्रति क्विंटल खरीदा जाएगा, जो पहले 2425 रुपये था। इसमें 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। अब जौ 2150 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा जाएगा, जो पहले 1980 रुपये था। चना 5875 रुपये प्रति क्विंटल खरीदा जाएगा, जो पिछले साल 5650 रुपये के भाव पर खरीदा गया था।''

मसूर, सरसों की एमएसपी में भी बढ़ोतरी कृषि मंत्री ने आगे कहा, ''मसूर की एमएसपी 6,700 रुपये से बढ़ाकर 7,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दी गई है। सरसों और रेपसीड की एमएसपी 5950 से बढ़ाकर 6200 रुपये एमएसपी कर दी गई है। इसके अलावा, कुसुम्भ की एमएसपी 5940 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6540 रुपये प्रति क्विंटल कर दी गई है। इसमें 600 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है।''

फसल	एमएसपी 2026-27 प्रति क्विंटल	उत्पादन लागत 2026-27	लागत पर लाभ (प्रतिशत में)	एमएसपी 2025-26 प्रति क्विंटल	एमएसपी में बढ़ोतरी
गेहूं	2585	1239	109	2425	160
जौ	2150	1361	58	1980	170
चना	5875	3699	59	5650	225
लेंटिल (मसूर)	7000	3705	89	6700	300
रेपसीड और सरसों	6200	3210	93	5950	250
कुसुम्भ	6540	4360	50	5940	600

कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर सबसे बड़ा एक्शन, घोषित किया गया आतंकी संगठन

ओटावा,एजेंसी। भारत के कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के सिंडिकेट पर कनाडा सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। कनाडाई सरकार ने सोमवार को लॉरेंस बिश्नोई गैंग को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध कर दिया है। इस फैसले के बाद कनाडा में गैंग की कमर तोड़ना तय माना जा रहा है। कनाडा के जन सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने इस सख्त कदम की जानकारी देते हुए बताया कि बिश्नोई गैंग पर कनाडा में एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर डर और धमकी का माहौल पैदा करने का आरोप है।

कनाडा सरकार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई कनाडाई आपराधिक संहिता के तहत की गई है। इस घोषणा के दूरगामी परिणाम होंगे।

भारत के 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के लिए 7 कंपनियों ने लगाई बोली

एजेंसी ।

नईदिल्ली,। भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। 7 भारतीय कंपनियों ने इसके प्रोटोटाइप डिजाइन और विकसित करने के लिए बोली लगाई है। अब इनमें से 2 कंपनियों का चयन किया जाएगा, जो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर लड़ाकू विमानों पर काम करेगी। सबकुछ ठीक रहा तो 2035 के आसपास भारत को 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान मिल सकता है।

जिन कंपनियों ने बोली लगाई हैं, उनमें लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स और अडाणी डिफेंस शामिल हैं। अब ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व प्रमुख ए शिवथानु पिल्लई के नेतृत्व वाली एक समिति इन बोलियों का मूल्यांकन करेगी और रक्षा मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपेगी। फिर 2 कंपनियों को चुना जाएगा, जिन्हें एएमसीए के 5 मॉडल बनाने के लिए 15,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। एएमसीए 2 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली निर्माण परियोजना है, जिसके तहत 125 से ज्यादा लड़ाकू विमानों का उत्पादन किया जाना है।

विदेश

बिना सैलरी छुट्टी पर भेजे जाएंगे कर्मचारी

ट्रंप सरकार पर बड़ा संकट, अमेरिका फिर सरकारी शटडाउन की चपेट मे

वॉशिंगटन अमेरिका एक बार फिर सरकारी शटडाउन की कगार पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी सीनेट में अस्थायी फंडिंग बिल पास कराने में नाकाम रही। प्रस्ताव को पास कराने के लिए 60 वोट जरूरी थे, लेकिन रिपब्लिकन सिर्फ 55 वोट ही जुटा पाए। नतीजतन, सरकार के पास जरूरी फंडिंग का विस्तार नहीं है और कई संघीय विभागों के कामकाज ठप पड़ सकते हैं।

अमेरिकी कानून के अनुसार बजट या अस्थायी फंडिंग बिल पास न होने पर 'गैर-जरूरी' सेवाएं बंद करनी पड़ती हैं। यही स्थिति शटडाउन कहलाती है। पिछले दो दशकों में यह अमेरिका की पांचवीं बड़ी शटडाउन स्थिति बन सकती है।

रिपब्लिकन ने हाल ही में सरकार को 21 नवंबर तक चलाने के लिए अल्पकालिक फंडिंग विधेयक पेश किया था, लेकिन डेमोक्रेट्स ने इसे अपर्याप्त बताते हुए ट्रंप की मेगा-बिल योजना में मेडिकेड कटौती वापस लेने और अफोर्डेबल केयर एक्ट के टैक्स क्रेडिट बढ़ाने की मांग की। रिपब्लिकन ने इन मांगों को खारिज कर दिया है, जिससे गतिरोध गहराता जा रहा है।

2018 में ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अमेरिका में 34 दिन तक शटडाउन रहा था। इस बार खतरा और गंभीर माना जा रहा है। अनुमान है कि ट्रंप प्रशासन लाखों कर्मचारियों की छंटनी और कई योजनाओं को स्थायी रूप से बंद करने की तैयारी में है। शटडाउन की स्थिति में 'गैर-अपवादित' कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजा जाएगा। ट्रंप के पहले कार्यकाल में 35 दिन के शटडाउन के दौरान 3.4 लाख कर्मचारी छुट्टी पर भेजे गए थे, जबकि कई कर्मचारियों को बिना वेतन काम करना पड़ा था। हालांकि, इस बार भी एफबीआई जांच, सीआईए ऑपरेशन, हवाई यातायात नियंत्रण, सैन्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा जांच, मेडिकेयर दावे और पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी। डाक सेवा भी सामान्य रूप से जारी रहेगी।

वहीं शिक्षा विभाग अपने करीब 90त्र कर्मचारियों की छंटनी करेगा। स्मिथसोनियन संग्रहालय और राष्ट्रीय चिड़ियाघर बंद कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री की विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों के साथ मैराथन बैठक

मुख्यमंत्री ने की ई-ऑफिस प्रणाली की तारीफ़

शासकीय कामकाज में बढ़ी पारदर्शिता: बेहतर परफ़ॉर्म करने वाले अधिकारियों की हुई सराहना, अधिकारियों को स्व-मूल्यांकन कर सुधार करने के निर्देश

पूंजीगत व्यय और शासकीय कामकाज के क्रियान्वयन की व्यापक समीक्षा

जेम पोर्टल से होने वाली शासकीय खरीदी में अनियमितता पर होगी कड़ी कार्रवाई

मंत्रालय में उप सचिव स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 01 दिसंबर से लागू होगी बायोमैट्रिक अटेंडेंस

गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्यों में लाएँ तेजी, सुगम आवागमन के लिए सड़कों के सुधार और रखरखाव पर ज़ोर

लोकशक्ति। रायपुर संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों की मैराथन बैठक ली। उन्होंने विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में आगे बढ़ने के लिए अधिकारियों को विभागीय समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने उच्च स्तरीय बैठक में पूंजीगत व्यय में तेजी, शासकीय कामकाज में पारदर्शिता, आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण तथा गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों की सराहना की और अधिकारियों को स्व-मूल्यांकन कर सुधार लाने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली से शासन के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ी है और इससे सुशासन का संकल्प साकार हो रहा है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि लगभग सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो चुकी है। शेष विभाग दिसंबर 2025 तक इसे अनिवार्य रूप से लागू करें। मुख्यमंत्री ने सुगम आवागमन के लिए सड़कों के सुधार और रखरखाव पर विशेष बल दिया। साथ ही, जेम पोर्टल से होने वाली शासकीय खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूंजीगत व्यय से राज्य की आधारभूत संरचना मज़बूत होती है और दीर्घकालिक विकास की नींव पड़ती है। उन्होंने कम पूंजीगत व्यय वाले विभागों को कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के रजत जयंती वर्ष को ÷अटल निर्माण वर्ष÷ के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक प्रावधान किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट में प्रावधानित कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति समय पर दी जाए, स्वीकृत कार्यों के टेंडर शीघ्र जारी हों और बिना विलंब कार्य प्रारंभ हो। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय के सभी कार्य जनता के हित से सीधे जुड़े हैं, इसलिए इन्हें समय पर पूरा करना आवश्यक है। जिन विभागों का व्यय पिछले वर्ष की तुलना में कम है, वे इसके कारणों की पहचान कर तत्काल सुधार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात अब समाप्ति की ओर है, ऐसे में आगामी दो महीनों का सदुपयोग करते हुए निर्माण कार्यों से संबंधित सभी औपचारिकताएँ शीघ्र पूरी करें।

जनता की समस्याओं को धैर्य से सुनें अधिकारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने विभागीय सचिवों से कहा कि आप सभी जनता की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें और उनका निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सतत मॉनिटरिंग और नियमित प्रवास से विकास की गति बढ़ती है। प्रभारी सचिव अपने-अपने प्रभार वाले जिलों का हर दो माह में दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा करें।

मंत्रालय के कामकाज में कसावट के लिए बायोमैट्रिक अटेंडेंस

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंत्रालय के कामकाज में कसावट लाने के उद्देश्य से 1 दिसंबर से बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समय पर कार्यालय पहुँचें और अपने अधीनस्थों को भी समयपालन के लिए प्रेरित करें। मुख्य सचिव श्री विकास शील ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 1 दिसंबर से मंत्रालय में उप सचिव स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों तक के लिए बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली लागू होगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री विकास शील, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत सहित सभी विभागीय सचिव और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में जशप्योर उत्पाद महुआ और मिलेट्स को मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान

जशपुरनगर संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में जनजातीय महिलाओं के उत्थान के लिए जशप्योर ब्रांड के तहत् स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दिया जा रहा है। ताकि जनजाजीय समूह के महिलाएं स्थानीय स्तर के चीजों और वस्तुओं का उपयोग कर अपने हाथों से बनाए उत्पादों के विक्रय से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सके।

इसी के तहत् भारत मंडपम नई दिल्ली में 25 से 28 सितम्बर 2025 तक आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में जशप्योर ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। जशपुर से निकला यह ब्रांड अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी महिलाओं की मेहनत और नवाचार का प्रतीक बन चुका है।

महुआ की बदलती पहचान

कभी केवल शराब की पहचान तक सीमित रहने वाले महुआ की छवि अब धीरे-धीरे बदल रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच से महुआ से विभिन्न खाद्य सामग्री तैयार की जा रही है जो आज महुआ को सुपरफूड के रूप में तैयार किया जा रहा है और इसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रतीक के रूप में सराहना मिल रही है।

महुआ आधारित उत्पादों की व्यापक सराहना

जशप्योर द्वारा प्रदर्शित किए गए महुआ को इसके

पोषण मूल्य और दूध, मिठाइयों व पेय पदार्थों में प्राकृतिक स्वीटनर के रूप में उपयोग के लिए विशेष सराहना मिली। इसी प्रकार महुआ आधारित च्यवनप्राश को इसके अनूठे स्वास्थ्य लाभ और आधुनिक समय की जरूरतों के अनुरूप नवाचार के लिए व्यापक प्रशंसा प्राप्त हुई। इसके साथ ही महुआ चाय, कुकीज़ और एनर्जी स्नैक्स भी आकर्षण के केंद्र बने।

मिलेट्स और विविधता का प्रदर्शन

महुआ के साथ-साथ जशपुर के पारंपरिक लिटिल मिलेट (कुटकी), कोदो और बकव्हीट से बने उत्पाद में 15 से अधिक वैरायटी के मिलेट पास्ता, पौष्टिक स्नैक्स और बेकरी प्रोडक्ट्स ने आगंतुकों को आकर्षित किया और यह साबित किया कि ये अनाज भविष्य के सुपरफूड हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की सराहना

प्रदर्शनी में कई देशों से आए डेलिगेट्स ने जशपुर की आदिवासी महिलाओं की मेहनत को सराहा। विशेष रूप से एस्वातिनी के कृषि मंत्री और कृषि निदेशक ने महुवा नेक्टर का स्वाद चखकर इसकी गुणवत्ता और नवाचार की प्रशंसा की और कहा कि यह वैश्विक स्तर पर पोषण और सेहत की नई पहचान बना सकता है। जशप्योर के पीछे खड़ी हैं जशपुर की आदिवासी महिला उद्यमी, जो जय जंगल एफ्मीसी के तहत काम कर रही हैं। उन्होंने फूड-ग्रेड हार्वेस्टिंग, स्वच्छ और वैज्ञानिक प्रोसेसिंग के जरिए महुआ और मिलेट्स को आधुनिक सुपरफूड्स में बदल दिया है। उनकी मेहनत और नवाचार ने जशपुर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नई पहचान दिलाई है।

खाद्य प्रसंस्करण सलाहकार श्री समर्थ जैन ने बताया कि महुआ अब केवल परंपरा या शराब की पहचान तक सीमित नहीं है। धीरे-धीरे यह अपनी असली पहचान एक जनजातीय सुपरफूड के रूप में पा रहा है। हमारी कोशिश है कि इसे वैज्ञानिक और आधुनिक स्वरूप में पूरी दुनिया तक पहुँचाया जाए। वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में जशप्योर की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि जब परंपरा, मेहनत और नवाचार महिलाओं की शक्ति और मुख्यमंत्री की दृष्टि से मिलते हैं, तो जंगलों और गाँवों की कहानियाँ भी दुनिया तक गूँज सकती हैं।

फीता काटकर जनपद सदस्य संदीप मेश्राम ने क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

राजनांदगांव। अंम्बागढ़ चौकी विकासखण्ड के ग्राम ब्राह्मण भेड़ी में ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संदीप मेश्राम जनपद पंचायत सदस्य शामिल हुए,अध्यक्षता ग्राम के सरपंच नूमेश मंडावी, वीरेंद्र निषाद, नरेन्द्र निषाद, गुलशन साहू, रवि कुमार, लकी साहू, किशोर साहू, रूपचंद साहू, मानिक साहू, ताराचंद निषाद, अजय कुंभकार, विनय कुमार, हेमंत साहू चुम्मन नेताम, मनीष यादव,सहित ग्रामीण एवं आयोजनसमिति व खिलाड़ी शामिल हुए।

माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण, बच्चों को स्वर्णप्राशन व सुपोषण किट वितरण

धमतरी, रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में बाल विकास परियोजना धमतरी शहरी द्वारा आयुष विभाग के सहयोग से सोमवार को देवांगन भवन हटकेसर में परियोजना स्तरीय महतारी मेगा हेल्थ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम धमतरी की सभापति विभा चंद्राकर तथा पार्षद सुभाष नगर पूर्णिमा देवांगन उपस्थित रहीं। अतिथियों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने यह पहल महत्वपूर्ण है।

शिविर में माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कुपोषित बच्चों का वजन एवं ऊँचाई लेकर उनका स्वास्थ्य मूल्यांकन किया गया। इस दौरान 70 बच्चों को स्वर्णप्राशन, 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार, 10 गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषण किट तथा 4 बच्चों को स्वस्थ शिशु सम्मान प्रदान किया गया। आयुष विभाग के विशेषज्ञों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने माताओं को संतुलित आहार, पोषण एवं स्वच्छता संबंधी जानकारी दी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि कुपोषण मुक्त समाज की दिशा में यह प्रयास कारगर सिद्ध होगा। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नवरात्रि में मिलावटी खाद्य पदार्थों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्ती

विभिन्न प्रतिष्ठानों में निरीक्षण जारी, 11 सैंपल जांच के लिए भेजे गए

रायपुर, (आरएनएस)। नवरात्रि त्यौहार को ध्यान में रखते हुए बेमेतरा जिला कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिलेभर के होटल, ढाबा, किराना, डेयरी व मिठाई दुकानों में औचक निरीक्षण की कार्रवाई तेज कर दी है। निरीक्षण के दौरान कुल 11 नमूने संकलित किए गए, जिन्हें गुणवत्ता परीक्षण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। संकलित नमूनों में फर्म सदगुरु किराना से सोनपापड़ी और शक्कर, ओम किराना से उड़द एवं अरहर दाल, मयूर ट्रेडर्स से फलाहारी सूजी, गांधी ट्रेडिंग से फलाहारी सिंघाड़ा आटा व राजगीरा आटा, महावीर प्रोविजन स्टोर्स से चक्की प्रेश आटा व टोस्ट तथा सफायर रेस्टोरेंट से कुक्ड राइस और कुक्ड मिक्स वेज शामिल हैं। साजा स्थित करणी मां बीकानेर स्वीट्स की मिठाई की गुणवत्ता को लेकर प्राप्त शिकायत पर साजा एसडीएम के निर्देशन में विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दुकान का निरीक्षण किया। यहाँ से कलाकंद, छेना रसगुल्ला और नारियल लड्डू के नमूने जाँच के लिए फूड लेबोरेटरी भेजे गए और संचालक को नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा, साजा की अन्य मिठाई दुकानों एवं गुपचुप-चाट कार्नर का निरीक्षण कर स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छ पेयजल उपयोग करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत यदि जाँच परिणाम अमानक पाए जाते हैं, तो संबंधित फर्म संचालकों के विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जाएगा।

बादल साफ होते ही राजधानी में शुरू हो जाएगी गुलाबी ठंड

बादल छाए रहेंगे, होगी हल्की वर्षा

जशपुरनगर, । मौसम विभाग के अनुसार कल से मौसम साफ होते ही गुलाबी ठंड का आगाज शुरू हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार आज बादल छाए रहेंगे तथा हल्की वर्षा होगी। दशहरा के पश्चात मौसम साफ हो जाएगा। छत्तीसगढ़ के पहाड़ी क्षेत्रों में इस समय हल्का कोहरा छा रहा है।

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार एक कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम दिशा से आगे बढ़ रहा है, जिसके कारण छत्तीसगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा हो रहा है। बदली छाए रहने के कारण खेतों में माहो का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इधर माहो का सफाया धूप निकलने के बाद हो जाएगा।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक अवदाब दक्षिण तटीय उड़ीसा के ऊपर स्थित है तथा यह पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है । इसके लगातार पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए दक्षिण उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के ऊपर आने के बाद, क्रमिक रूप से कमजोर होने की संभावना है। एक द्रोणिका दक्षिण उड़ीसा के ऊपर स्थित अवदाब से गोवा तक तेलंगाना, उत्तर अंदरूनी कर्नाटक तक होते हुए 3.1 किलोमीटर से 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक

ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर अंडमान सागर में 30 सितंबर को उभरने की संभावना है। इसके प्रभाव से एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे लगे मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर 1 अक्टूबर को बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 1 अक्टूबर से प्रदेश में वर्षा की गतिविधि में वृद्धि होने की सम्भावना है । प्रदेश में कल दिनांक 28 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है।

कलेक्टर की समय-सीमा बैठक में सभी विभागीय कार्यों का किया समीक्षा

संवाददाता

कलेक्टर ने 02 अक्टूबर को होने वाली ग्राम सभा की तैयारी एवं चल रहे रजत जयंती महोत्सव के बारे में दिए अहम दिशा निर्देश

एमसीबी,कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों की विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए विभागीय पत्रों, शिविरों के लंबित मुद्दों, डीएमएफ कार्यों की प्रगति और आगामी बैठक में शामिल होने वाले प्रस्तावों की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही जन शिकायतों, जनदर्शन, सीएम पोर्टल और पीएम पोर्टल की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने परसगढ़ी, अमृतधारा, चिरमिरी, खड़गवां और भरतपुर में उद्योग हेतु जमीन सर्वे के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग को जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत हेतु एस्टीमेट भेजने के लिए कहा गया है । जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने जानकारी दी कि 02 अक्टूबर 2025 को जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं आश्रित ग्रामों में ग्रामसभा बैठक आयोजित होगी। इसके प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक ग्रामसभा में पोस्टर चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं। और ग्राम सभा कार्यवाही में पंचायत की आय-व्यय समीक्षा, योजनाओं की प्रगति, मनरेगा कार्यों की स्थिति, सामाजिक अंकेक्षण, खाद्यान्न वितरण, जन्म-मृत्यु पंजीयन, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, पंचायत कर निर्धारण, आवारा मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और पंचायत उन्नति सूचकांक (PAI) स्कोर सहित अनेक विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही एचआईवी/एड्स जागरूकता, धान उपार्जन हेतु Agristack Portal पंजीयन, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, राष्ट्रीय पोषण माह 2025 और अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष को भी एजेंडे में शामिल किया गया है।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने आगे बताया कि ग्रामसभा की कार्यवाही के दौरान 15 मिनट की वीडियो रिकॉर्डिंग कर GS NIRNAY ऐप एवं GPDP पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। भारत सरकार के नए ÷सभासार पोर्टल÷ पर चयनित पंचायतों की कार्यवाही का एआई आधारित विवरण तैयार किया जाएगा। सभी ग्राम सभाओं में आरआई की अनिवार्य उपस्थिति रहेगी। जल जीवन मिशन, खाद्य, गिदावरी, धान खरीदी जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। जिन किसानों का पंजीयन छूट गया है, उन्हें पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के 40 विभागों ने जीएसटी फाइल नहीं भरी है, इसलिए प्रत्येक माह समय पर जीएसटी फाइल अपडेट करने के निर्देश दिए गए है । महिला एवं बाल विकास विभाग के रिक्त पदों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। ई-ऑफिस की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागीय पत्रों का संधारण ई-ऑफिस पर अनिवार्य रूप से किया जाए।

जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की पहली बैठक हुई संपन्न, जिले में औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर हुई विस्तृत समीक्षा

एमसीबी,

जिले में आयोजित जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की प्रथम बैठक कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र टी. आर. कश्यप के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे जिनमें जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा, वनमंडल अधिकारी, कार्यपालन यंत्री राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, उपसंचालक कृषि विभाग, श्रम पदाधिकारी, जिला खनिज अधिकारी एवं सहायक संचालक नगर ग्राम तथा निवेश मनेन्द्रगढ़ शामिल थे।

बैठक की शुरुआत समिति के अध्यक्ष कलेक्टर के निर्देश से की गई। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा निर्धारित एजेंडा में औद्योगिक परियोजनाओं के लिये पहचाने गये औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आबंटित करना, विद्युत शक्ति, जल स्त्रोतों तथा अन्य उपयोगिताओं की पहचान कर उनका आबंटन एवं सुविधापूर्वक उपलब्ध कराना, स्थानीय प्रशासन से परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषयों के संबंध में अनुमोदन तथा श्रम कल्याण से संबंधित मामलों में अनुमोदन लेने जैसे मुद्दों पर समिति को अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ शासन राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड रायपुर द्वारा 18 सितम्बर 2025 को जारी एजेंडा 1 से 13 तक पर भी विस्तार से चर्चा हुई। एजेंडा के अनुसार समिति के विभागीय सदस्यों से जिले में औद्योगिक विकास के लिये आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

आराधना मंडल का कस्तूरबा में दो दिवसीय रंगारंग गरबा महोत्सव

बिखरेगी गरबा उत्सव की मनोहारी छटा

राजनांदगांव, शारदीय नवरात्रि पर्व के अवसर पर शहर की समाज सेवी महिलाओं का संगठन आराधना महिला मंडल द्वारा आज 30 सितंबर से लेकर 1 अक्टूबर तक कस्तूरबा भवन में दो दिवसीय रंगारंग गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया।

आराधना महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रभात बरडिया, सचिव पुष्पा अग्रवाल व कोषाध्यक्ष श्रीमती अलका जानी ने बताया कि महिला मंडल द्वारा आज से आयोजित होने जा रहे गरबा महोत्सव की पहले दिन की मुख्य अतिथि श्रीमती अनिता सहारे (प्राचार्य-शासकीय स्कूल - बोरी) होगी, वहीं दूसरे दिन 1 अक्टूबर को आयोजित गरबा महोत्सव की मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन जी होगी।

नवरात्रि पर्व पर की जा रही मां आदि शक्ति की पूजा -आराधना

कस्तूरबा महिला मंडल की संरक्षिका श्रीमती शारदा तिवारी ने बताया कि नवरात्रि पर्व पर प्रायः सभी महिलाएं अपने घर-परिवार की

सुख- शांति व खुशहाली के लिए मां दुर्गे भवानी की अभ्यर्थना में जुटी हुई है। भवानी नगर उनके निवास स्थान में ज्योति जंवारा स्थापित किया गया है जिसका दर्शन कर मातारानी का आशीर्वाद प्राप्त करने प्रसिद्ध समाजसेवी बल्देव सिंह भाटिया जी पधारे थे इसके अलावा अन्य गणमान्य जनो व समाज सेवी महिलाओं का सतत आगमन बना हुआ है। उन्होंने बताया कि इस प्रसंग पर कस्तूरबा में आयोजित आराधना महिला मंडल के गरबा महोत्सव में आमंत्रित मुख्य अतिथि महिला शक्तियों द्वारा मां आदिशक्ति भवानी की पूजा-आराधना की जाएगी। शहर की तमाम महिला शक्तियों को मातारानी की कृपा पाने और गरबा प्रदर्शन कर मातारानी को रिझाने के लिए उन्हें सादर आमंत्रित किया गया है।

आयोजन मंडल की श्रीमती प्रभा बरडिया ने नगर की सभी समाजसेवी संगठन की महिलाएं उक्त गरबा महोत्सव में भाग लेने कै लिए भारतीय पारंपरिक पोशाक व घाघरा - चूनरी सहित मातारानी की शान में गरबा खेलने डांडिया लेते हुए आने की अपील की है। उक्ताशय की जानकारी मंडल?की अध्यक्ष श्रीमती अलका जानी द्वारा दी गई।

छत्तीसगढ़ में छह साल बाद स्टेट बार काउंसिल का चुनाव, 23 हजार से ज्यादा वकील डालेंगे वोट

रायपुर, छत्तीसगढ़ में लगभग छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद स्टेट बार काउंसिल के चुनाव आज आयोजित किए जा रहे हैं। इस चुनाव को लेकर राज्य भर के अधिवक्ताओं में खासा उत्साह है। प्रदेश के 23 हजार से अधिक पंजीकृत वकील अपने मताधिकार का प्रयोग कर 25 सदस्य पदों के लिए 105 प्रत्याशियों में से अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे।

इस बार चुनाव प्रक्रिया में अहम बदलाव किया गया है। प्रत्येक मतदाता को कम से कम पांच उम्मीदवारों को वरीयता क्रम में वोट देना अनिवार्य किया गया है। चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने एक सुपरवाइजरी कमेटी का गठन किया है, जिसकी अगुवाई सेवानिवृत्त न्यायाधीश चंद्रभूषण बाजपेयी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2019 में तत्कालीन स्टेट बार काउंसिल को भंग कर दिया गया था, जिसके बाद से इसकी जिम्मेदारी एक अंतरिम समिति के पास थी। अब स्थायी परिषद के गठन की प्रक्रिया शुरू होने से अधिवक्ताओं में नए

सिरे से सक्रियता और उत्साह देखने को मिल रहा है। रायपुर अधिवक्ता संघ के 16 उम्मीदवार भी इस बार चुनावी मैदान में हैं। पूरे राज्य में जिला एवं सत्र न्यायालयों और सिविल कोर्ट परिसरों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। वहीं, बिलासपुर हाईकोर्ट में वकीलों की सुविधा के लिए अलग से बूथ स्थापित किया गया है। मतदान प्रक्रिया 30 सितंबर को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। चुनाव परिणामों को लेकर वकीलों और प्रत्याशियों में भारी उत्सुकता है, क्योंकि यह परिषद आने वाले वर्षों में वकालत पेशे से जुड़ी नीतियों और निर्णयों को प्रभावित करेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अनेक पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

पूजा स्पेशल गाड़ियों में कंफर्म सीट के साथ यात्रा कर अपने यात्रा को बनाएँ आसान व आरामदायक

रायपुर,। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ जैसे प्रमुख त्यौहारों में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए अनेक फेस्टिवल/पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों में यात्रियों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर कंफर्म सीट उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी यात्रा और अधिक सहज एवं आरामदायक होगी। पूजा स्पेशल ट्रेनें, संचालन अवधि एवं उपलब्ध बर्थ बिलासपुर-हडपसर(पुणे)-बिलासपुर पूजा स्पेशल । गाड़ी संख्या 08265/08266 बिलासपुर -हडपसर(पुणे)-बिलासपुर के मध्य एक फेरे के लिए चलाई जा रही है । यह ट्रेन बिलासपुर से 08265 नंबर के साथ दिनाँक 22 अक्टूबर 2025 को तथा हडपसर(पुणे) से 08266 नंबर के साथ दिनाँक 23 अक्टूबर 2025 को रवाना होगी । दिनाँक 22 अक्टूबर 2025 को बिलासपुर - हडपसर(पुणे) पूजा स्पेशल ट्रेन में एसी-II, एसी-III व एसी-III इकॉनामी में बर्थ उपलब्ध है । बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर पूजा स्पेशल । गाड़ी संख्या 08261/08262 बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर के मध्य 22 फेरे के लिए चलाई जा रही है । गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 09 सितम्बर 2025 से 18 नवम्बर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु)-बिलासपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन यलहंका से दिनांक 10 सितंबर 2025 से 19 नवंबर 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलाई जा रही है । बिलासपुर-यलहंका फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में दिनाँक 30 सितम्बर 2025 को, दिनाँक 07, 14, 21, 28 अक्टूबर एवं दिनांक 04, 11 व 18 नवंबर 2025 को एसी-II में, एसी-III में, एसी-III इकॉनमी में एवं स्लीपर में पर्याप्त संख्या में बर्थ उपलब्ध है । इस गाड़ी का वाणिज्यक ठहराव दक्षिण मध्य रेलवे के बिलासपुर, भाटापारा,रायपुर, दुर्ग,राजनादगाँव, डोंगरगढ़ एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है । दुर्ग-सुल्तानपुर-दुर्ग पूजा स्पेशल । गाड़ी संख्या 08763/08764 दुर्ग-सुल्तानपुर-दुर्ग के मध्य 12 फेरे के लिए चलाई जा रही है । गाड़ी संख्या 08763 दुर्ग-सुल्तानपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन दुर्ग से दिनांक 13 सितम्बर 2025 से 29 नवम्बर 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा गाड़ी संख्या 08764 सुल्तानपुर-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन सुल्तानपुर से दिनांक 14 सितंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक प्रत्येक रविवार को चलाई जा रही है । दुर्ग-सुल्तानपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में दिनाँक 04, 11, 18, 25, अक्टूबर, 01, 08, 15 एवं 22 नवंबर 2025 को एसी-ढुढु में, एसी-III में, एसी-II इकॉनमी में एवं स्लीपर में पर्याप्त संख्या में बर्थ उपलब्ध है ।

इस गाड़ी का वाणिज्यक ठहराव दक्षिण मध्य रेलवे के दुर्ग, रायपुर,उस्लापुर,पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों में दिया गया है । दुर्ग-हजरत निज़ामुद्दीन-दुर्ग पूजा स्पेशल । गाड़ी संख्या 08760/08761 दुर्ग-हजरत निज़ामुद्दीन-दुर्ग के मध्य 08 फेरे के लिए चलाई जा रही है । गाड़ी संख्या 08760 दुर्ग-हजरत निज़ामुद्दीन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन दुर्ग से दिनांक 05 अक्टूबर 2025 से 23 नवम्बर 2025 तक प्रत्येक रविवार को तथा गाड़ी संख्या 08761 हजरत निज़ामुद्दीन-दुर्ग स्पेशल ट्रेन हजरत निज़ामुद्दीन से दिनांक 06 अक्टूबर 2025 से 24 नवंबर 2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी । दुर्ग-हजरत निज़ामुद्दीन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में, दिनाँक 05, 12, 19, 26 अक्टूबर एवं 02, 09, 16 व 23 नवंबर 2025 को एसी-ढुढु में, एसी-II में, एसी-II इकॉनमी में एवं स्लीपर में पर्याप्त संख्या में बर्थ उपलब्ध है । इस गाड़ी का वाणिज्यक ठहराव दक्षिण मध्य रेलवे के दुर्ग, रायपुर,उस्लापुर,पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों में दिया गया है । नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पूजा स्पेशल । गाड़ी संख्या 08865/08866 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी के मध्य 10 फेरे के लिए चलाई जा रही है । गाड़ी संख्या 08865 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-शालीमार फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से दिनांक 27 सितम्बर 2025 से 01 अक्टूबर 2025 तक तथा गाड़ी संख्या 08866 शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्पेशल ट्रेन दिनांक 28 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक चल रही है । नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-शालीमार फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में दिनाँक 01 अक्टूबर 2025 को एसी-ढुढु, एसी-II एवं स्लीपर में बर्थ उपलब्ध है । इस गाड़ी का वाणिज्यक ठहराव दक्षिण मध्य रेलवे के गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनादगाँव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा एवं रायगढ़ स्टेशनों में दिया गया है । नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी)-धनबाद-नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी) पूजा स्पेशल ।

संविदा कर्मचारी हड़ताल पर गये तो कदाचरण मान कर कार्यवाही

CSPDCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

बिना स्वीकृति के अवकाश पर जाना प्रतिबंधित

रायपुर, । रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा परिपत्र जारी करते हुए सूचित किया गया कि छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ द्वारा काम बंद हड़ताल पर शामिल होने वाले संविदा कर्मियों के लिए सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 6 एवं 7 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रदर्शन तथा हड़ताल और स्वीकृत होने के पूर्व अवकाश में प्रस्थान प्रतिबंधित है। ऐसे कृत्यों को कदाचरण की श्रेणी में मानते हुए प्रबंधन द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही संविदा कर्मचारी संघ द्वारा 1 अक्टूबर को सामूहिक अवकाश एवं 2 अक्टूबर को कार्य बहिष्कार तथा 18 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल के संबंध में सभी क्षेत्र के कार्यपालक निदेशकों एवं मुख्य अभियंताओं को इस संबंध में परिपत्र जारी किया गया है। जिसमें विभाग प्रमुखों को आंदोलनात्मक कार्यक्रम में कर्मचारी के शामिल होने पर इसकी जानकारी की सूची तथा कार्यवाही की जानकारी मानव संसाधन-वितरण कार्यालय रायपुर को प्रेषित कराने के निर्देश दिये गये हैं।

जन -जन को दिया स्वच्छ शौचालय का सकारात्मक सन्देश

नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग ने वार्ड 69 में महादेवघाट के सुलभ शौचालय परिसर की अभियान पूर्वक करवाकर0

रायपुर - छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर स्वास्थ्य विभाग और स्वच्छ भारत मिशन शाखा द्वारा सभी 10 जोनो के समस्त 70 वार्डो में दिनांक 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चन्द्राकर, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाडा के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 8 क्षेत्र अतर्गत माघव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 अंतर्गत महादेवघाट में स्थित सुलभ शौचालय परिसर की सफाई अभियानपूर्वक करवाकर एवं स्थानीय रहवासियों के साथ मिलकर स्वच्छ भारत मिषन अंतर्गत स्वच्छता का संदेष देती रंगोलियां निकालकर स्वच्छता संदेष देने जागरूकता नारे हाथ में तख्तीया लेकर लगाते हुए स्वच्छता कायम करते हुए जन - जन को स्वच्छ शौचालय का सकारात्मक स्वच्छता सन्देश जोन 8 जोन अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह ठाकुर एवं माघवराव सप्रे वार्ड पार्षद श्री महेन्द्र औसर के नेतृत्व में नगर निगम जोन 8 जोन कमिष्नर श्रीमती राजेष्वरी पटेल के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सफाई मित्रों के सहयोग से जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन एवं स्वच्छता निरीक्षक श्री रितेष झा की उपस्थिति में दिया गया।

समझदारी से ही हो सकते हैं सुखी और समृद्ध

रायपुर (संवाददाता)।

जीवन विद्या पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

7 से 13 अक्टूबर तक अग्रेसन धाम में होगा वृहद आयोजन

धरती का हर मानव निरंतर सुख चाहता है। इसके लिए वह अपने विचार और मान्यता के अनुसार कार्य-व्यवहार करता है। भ्रमित स्थिति में गलती होती है, पर मानव मूलतः गलती नहीं करना चाहता। जबकि हर कोई सुखी हो सकता है, निरंतर सुखी हो सकता है। समझदारी से हर कोई सुखी और समृद्ध हो सकता है। यह बातें जीवन विद्या के एक दिवसीय कार्यशाला में प्रबोधक डॉ. मीनाक्षी राठौर ने कही। अभ्युदय संस्थान अछोटी ने राजधानी के देवेंद्रनगर स्थित वाणिज्य भवन में कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें शारडा एनर्जी के अधिकारी-कर्मचारीगण शामिल हुए। डॉ. मीनाक्षी राठौर एवं चंद्रशेखर राठौर ने कार्यशाला में बताया कि ए नागराज ने मानव चेतना विकास मूल्य शिक्षा मध्यस्थ दर्शन-सह अस्तित्ववाद का प्रतिपादन किया है, जिसमें शिक्षा के माध्यम से मानव का अध्ययन किया गया है। इसी पर आधारित जीवन विद्या परिचय शिविर का आयोजन 7 से 13 अक्टूबर तक अग्रसेन धाम छोकरानाला रायपुर में किया गया है, जिसमें प्रबोधक सोमदेव त्यागी होंगे। संवाद के जरिये वे प्रतिभागियों से जीवन में सुखी और समृद्ध होने चर्चा करेंगे। इस कार्यशाला में की भी व्यक्ति शामिल हो सकता है। यह पूरी तरह निःशुल्क है, केवल भोजन और आवास की सुविधा लेने पर सहयोग राशि ली जाएगी। इसके लिए मोबाइल नंबर 98930 25307 एवं 75063 36797 पर संपर्क कर पंजीयन कराया जा सकता है। श्री राठौर ने बताया कि जिस तरह एक इंजीनियर और एक डाक्टर शिक्षा के माध्यम से तैयार किये जा सकते हैं, वैसा ही एक अच्छा पति, एक अच्छा पिता, एक अच्छा मित्र, एक अच्छा व्यक्ति शिक्षा के माध्यम से तैयार किया जा सकता है। इसके जरिये व्यक्ति में समाधान, परिवार में समृद्धि, समाज में अभय और प्रकृति सह-अस्तित्व लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भ्रमित मानव हमेशा दुखी रहेगा। जागृत मानव हमेशा सुखी रहेगा। वह व्यवहार के लिए व्यवसाय करता है। अभी हमको लगता है कि हम व्यवस्था के लिए जी रहे हैं, हमारी जिंदगी का बहुत बड़ा आयाम व्यवसाय के लिए है। हमारी पहचान अभी व्यवसाय से है। हमारा विजिटिंग कार्ड व्यवसाय से है। जबकि हमारा व्यवसाय व्यवहार के लिए है। अगर इन चारों आयामों में मानव के लिए पांच फीसदी ही व्यवसाय की आवश्यकता है, जबकि हम 95 फीसदी व्यवसाय पर ही ध्यान देते हैं। हमारी पहचान, हमारा सुख भी व्यवसाय करने लगते हैं। जीवन विद्या परिचय शिविर में सात दिनों तक इस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर मंजीत सिंह, दामोदर प्रसाद राठौर, सीए विकास शर्मा एवं गोविन्द पटेल उपस्थित थे।

सड्डू के शीतला तालाब में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

रायपुर, राजधानी रायपुर के सड्डू क्षेत्र स्थित शीतला तालाब में मंगलवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में अफ रा-तफ री मच गई। जैसे ही स्थानीय लोगों ने तालाब में शव को देखा, तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही विधानसभा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और उसकी उम्र व मौत के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिससे मौत की असली वजह स्पष्ट हो सके। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

फिर वायरल हुआ ड्रग्स का वीडियो, नाबालिग के शामिल होने की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर, । राजधानी रायपुर में एक बार फिर ड्रग्स के नशे से जुड़ा चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक किशोर एमडीएमए ड्रग्स की खुराक तैयार करते और उसे इस्तेमाल करते हुए नजर आ रहा है। वह पहले मोबाइल फोन पर ड्रग्स की लाइन बनाता है और फिर 100 रुपए के नोट को रोल कर उससे नशे को सूंघते हुए दिखाई देता है। इस दौरान वीडियो में बैकग्राउंड में गैंगस्टर स्टाइल का गाना भी सुनाई दे रहा है।

वीडियो में आरोपी युवक गाड़ी में घूमते और उपहारों के साथ भी नजर आता है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह वीडियो रायपुर के सुंदर नगर इलाके का बताया जा रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वीडियो कब का है। बताया जा रहा है कि यह क्लिप इंस्टाग्राम पर अपलोड की गई थी और अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। पुलिस ने अब तक इस वीडियो पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने मामले की गोपनीय जांच शुरू कर दी है। वीडियो की मदद से युवक की पहचान करने और उसकी गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। **नया नेटवर्क सक्रिय, ड्रग्स की आपूर्ति वॉट्सऐप के जरिए** पुलिस सूत्रों के अनुसार, रायपुर में ड्रग्स का पुराना नेटवर्क खासकर पंजाब और दिल्ली से संचालित होने वाला सिंडिकेट कमजोर पड़ चुका है। मगर अब नागपुर और गोंदिया से जुड़ा एक नया नेटवर्क शहर में सक्रिय हो गया है। यह नेटवर्क वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए ऑर्डर लेता है और फिर ग्राहक की लोकेशन के हिसाब से घूम-घूमकर ड्रग्स की सप्लाई करता है। बीते दिनों इस गिरोह की गतिविधियां भाठागांव, न्यू राजेंद्र नगर, मौदहापारा, समता कॉलोनी, वीआईपी रोड, बिरगांव और शंकर नगर जैसे इलाकों में देखी गई हैं। पुलिस को शक है कि बड़े सप्लायर तो अब अंडरग्राउंड हो चुके हैं, लेकिन वे अपने भरोसेमंद युवकों के जरिए नशे का यह अवैध कारोबार चला रहे हैं। रायपुर पुलिस की ओर से मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही ठोस कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऐसे वीडियो प्रशासन के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं, खासकर तब जब इनमें नाबालिगों की संलिप्तता सामने आ रही है।

रेलवे स्टेशन से गांजा तस्कर गिरफ्तार, 16 किलो से ज्यादा मादक पदार्थ बरामद

रायपुर,संवाददाता। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई में गांजा तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। 29 सितंबर की रात रायपुर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में सैलून साइडिंग के पास एक अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से 16 किलो 400 ग्राम गांजा जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 4 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है। इस संयुक्त ऑपरेशन को वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रमन कुमार के निर्देशन में अंजाम दिया गया। रायपुर के प्रभारी निरीक्षक कर्मपाल सिंह गुर्जर, उप निरीक्षक ए.जेड. चौधरी, प्रधान आरक्षक वी.सी. बंजारे, आरक्षक घम्मन मीणा और आबकारी विभाग के जिला अधिकारी टैग बहादुर कुर्रे, निरीक्षक प्रकाश देशमुख, कौशल सोनी, उप निरीक्षक नीलम सवर्णकार और प्रीति कुशवाह ने मिलकर तस्कर को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मिथुन दिग्गल (26 वर्ष), निवासी ग्राम परमपंगा, टीटामाहा, जिला कंधमाल, बटागुड़ा, ओडिशा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह दो बैगों में कुल 8 बंडल गांजा लेकर रायपुर पहुंचा था। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि गांजा ओडिशा से बस द्वारा लाया गया था और उसे ट्रेन के जनरल कोच से प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ले जाने की योजना थी। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफएनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी के तहत अपराध क्रमांक 182/2025 दर्ज किया है। बरामद गांजा जब्त कर लिया गया है और आरोपी को 30 सितंबर को विशेष एनडीपीएस अदालत, रायपुर में पेश किया जाएगा।

रायपुर में 15 से 19 नवंबर तक रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव आयोजन होगा

स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाड़ा

सांसद ने नगर निगम मुख्यालय में आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक लेकर दिये आवष्यक निर्देष

रायपुर - रायपुर नगर निगम क्षेत्र में दिनांक 15 से 19 नवंबर 2025 तक रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का आयोजन भारत गणराज्य के यषस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर केन्द्र सरकार के खेल मंत्रालय के फिट इंडिया मुव्हमेंट को जनआंदोलन बनाने किया जायेगा। लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज रायपुर नगर निगम मुख्यालय के सामान्य सभा सभागार में पहुंचकर रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी, रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू, नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, सभापति श्री सूर्यकांत राठौड, माना कैम्प नगर पंचायत अध्यक्ष श्री संजय यादव, नगर निगम आयुक्त श्री विष्वदीप, जिला षिक्षा अधिकारी , नगर निगम के एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षो, पार्षदो, जोन कमिष्नरो की उपस्थिति में बैठक लेकर रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन की रूप रेखा की विस्तृत जानकारी देकर कहा कि रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से रायपुर नगर निगम के सभी 10 जोनो के सभी 70 वार्डो में नागरिको के बीच खेल का वातावरण बनें।

लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सांसद खेल महोत्सव में सम्मिलित होने क्यूआर बार कोड को स्कैन कर उसमें दिये गये खेल महोत्सव फार्म को भरवाकर अधिक से अधिक नागरिको को खेलो के प्रति प्रोत्साहित कर सम्मिलित करने कहा है। सांसद ने सभी जोन कमिष्नरो को जोन स्तर पर जोन अध्यक्ष पार्षदो सहित खेल संघो के पदाधिकारियों, खिलाडियो की बैठक लेकर आयोजन में अधिक से अधिक लोगो को जोडने कहा है । सांसद ने रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन को भव्य एवं सफल बनाकर इसमें सभी को जोडने जोन स्तर पर 3-4 स्थानो का चयन करने एवं लोगो को इसमें सम्मिलित 13 खेल विधाओ खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, रस्साकसी, भारोत्तोलन, कुष्ती, रोप स्पीकिंग, स्वीमिंग, शरीर सौष्ठव, शतरंज, फुगाडी, गेड़ी की जानकारी देकर लोगो को अधिक से अधिक इसमें सम्मिलित करने प्रोत्साहित करने की अपील सभी वार्ड पार्षदो से की है।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आयुक्त एवं जोन कमिष्नरो को इसमें रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के 14 से 19 नवंबर तक होने जा रहे रायपुर में आयोजन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने सभी उद्यानो, वाचनालयो, स्कूल, कॉलेजो, दषहरा उत्सव आयोजन स्थलो, सभी क्लबो, निजी स्कूलो, निजी कॉलेजो, महिलाओ, पुरूषो, घर घर अभियान चलाकर इसे भव्य बनाने अपील की है। सांसद ने कहा कि नगर निगम रायपुर के 10 जोनो में प्रत्येक जोन में कम से कम 4 एवं 10 जोनो में 40 स्थल मैदान के रूप में चिन्हित कर उसमें रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जाना है । इसके लिए बैनर पोस्टर पाम्पलेट होर्डिंग के जरिए नागरिको को अधिक से अधिक जानकारी दी जानी है। सांसद ने 25 अक्टूबर से 25 नवंबर 2025 तक 1 माह रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन को भव्य बनाने व्यापक प्रचार प्रसार करने कहा है ताकि रायपुर राजधानी शहर में नागरिको के मध्य खेलो के प्रति वातावरण सकारात्मक रूप से तैयार हो सके और अधिक से अधिक लोग इसमें सम्मिलित हो सके। सभी विद्यार्थियो, युवाओ, छात्र, छात्राओ, पुरूषो, महिलाओ को इससे अवगत कराकर उन्हें महोत्सव में अधिकाधिक सम्मिलित होने आयोजन के फार्म भरने प्रोत्साहित किया जाना है।

महापौर श्रीमती मीनल चैबे ने कहा कि आज के मोबाईल डिजिटल युग में नगर निगम रायपुर के सभी 70 वार्ड पार्षद सौभाग्यषाली है कि उन्हें रायपुर नगर निगम की टीम बनाकर रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव में सम्मिलित होने का अवसर मिल रहा है। महापौर ने अपील की कि रायपुर नगर निगम की सभी महिला वार्ड पार्षद अपने वार्ड की रहवासी महिलाओ को आयोजन से अधिक से अधिक जोडे एवं उसके लिए बारकोड को स्कैन करवाकर फार्म भरवाकर आयोजन को भव्यता देने सहभागी बने। सभी पुरूष पार्षद पुरूषो को जानकारी अधिकाधिक दे एवं टीम तैयार कर उन्हें महोत्सव से अधिक से अधिक संख्या में जोडे।

इसके लिए डेढ माह के समय का सभी पार्षदगण पूर्ण सदूपयोग अपने वार्ड में करें जिससे आयोजन भव्य एवं सफल बने। सभापति श्री सूर्यकांत राठौड ने कहा कि शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानो में जोन के अधिकारी रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के रायपुर में 14 से 19 नवंबर तक के आयोजन की जानकारी जन जन को देने बडी विज्ञापन होर्डिंग लगवाये। उन्हे स्कूल कालेजो के आस पास भी लगवाया जाये ताकि विद्यार्थी और युवा इसे देखकर जानकारी लेकर फ ार्म भरे एवं अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित हो सके।

आरबीसी 6-4 के तहत जिला प्रशासन ने मृतक किसान के परिवार को दी आर्थिक मदद

15 दिनों के भीतर प्रकरण का किया गया निराकरण*

संवाददाता। रायपुर, 01 अक्टूबर 2025/ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे *प्रोजेक्ट राहत* के तहत जिला प्रशासन ने ग्राम राटाकाट, तहसील आरंग, जिला रायपुर के स्वर्गीय शंकरलाल निषाद के परिवार को आरबीसी 6-4 के तहत 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। प्रतिवेदन के अनुसार 7 अप्रैल 2025 को शंकरलाल निषाद की खेत में दवाई छिड़कते समय मधुमक्खियों के काटने से मृत्यु हो गई थी। इस घटना पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं आरंग तहसीलदार आरंग द्वारा शासन को प्रतिवेदन भेजा गया था। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार मृतक की पत्नी श्रीमती दशमत निषाद को चार लाख रुपये की अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

मोदी की कुटनीतिक सफलता का दिखता असर

कश्मीर को भारत-पाकिस्तान के बीच का मामला बताते हुए अमेरिका द्वारा दोनों मुल्कों के दरम्यान कोई दबंगई न करने का इरादा जताया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रेस वार्ता में इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान पर छोड़ने की बात की। यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें भारत-पाक के बीच युद्धविराम कराने में ट्रंप की भूमिका का दावा किया गया था। हालांकि भारत सरकार ने बार-बार जोर दिया कि सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दे द्विपक्षीय रहने चाहिए। अमेरिका की तरफ से यह बयान उस वक्त आया है, जब ट्रंप पाकिस्तानी हुक्मरान के साथ बैठक कर रहे हैं और रणनीतिक साझेदारी, आतंकवाद निरोधी गठबंधन व अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं। अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस भारतीयों की मौत का बदला लेने के लिए मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया था।

कल्पना से परे है भारत में राजनैतिक अस्थिरता।

नेपाल में पिछले दशकों में राजनीतिक अस्थिरता, दल-बदल, जातीय संघर्ष और आर्थिक असमानताओं ने देश को बार-बार अराजकता की स्थिति में डाल दिया। लगातार बदलती सरकारें और कमजोर प्रशासनिक तंत्र सामाजिक विरोध और आर्थिक अस्थिरता को जन्म देते रहे। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विरोध, हिंसा और सार्वजनिक असंतोष देखने को मिला। कुछ विपक्षी दल तथा विदेशी ताकतें भारत के संदर्भ में यह सवाल उठाती रही है कि क्या हमारी परिस्थितियाँ भी ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर सकती हैं। ऐसी बात करना कल्पना से परे हैं क्योंकि भारत में एक बेहद मजबूत नेतृत्व पिछले एक दशक से ज्यादा समय से पूरी साक्षमता के साथ देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा भारत सामरिक तथा आर्थिक रूप से सशक्त शक्तिशाली एवं मजबूत राष्ट्र है। भारत में राजनीतिक स्थिरता का आधार मजबूत संवैधानिक और संस्थागत ढांचा है। भारतीय संविधान नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के साथ-साथ सत्ता के संतुलन और शक्तियों के स्पष्ट विभाजन के माध्यम से राजनीतिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखता है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता नियमित और निष्पक्ष चुनावों को सुनिश्चित करती है, जबकि न्यायपालिका कानून के पालन और असंतोष की निगरानी के लिए एक स्थिर तंत्र प्रदान करती है। इन संस्थाओं की मजबूती के कारण भारत में सरकारों की अस्थिरता लंबे समय तक नहीं टिकती। सामाजिक और आर्थिक विविधता भारत में अत्यधिक है। भाषाई, जातीय, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधताएँ कभी-कभी छोटे-मोटे राज्य स्तरीय तनाव का कारण बन सकती हैं। उदाहरण स्वरूप, किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून के विरोध और क्षेत्रीय आंदोलन यह दिखाते हैं कि असंतोष हमेशा मौजूद रहता है किंतु उसके समाधान तथा सुधारने के लिए मजबूत शासन तंत्र भारत के पास मौजूद है तो यह कोई बड़ी चिंता का विषय नहीं है और भारत का संघीय ढांचा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया इन संघर्षों को नियंत्रित करती हैं। संवैधानिक अधिकार और राज्यों तथा केंद्र के बीच संतुलन व्यापक स्थिरता बनाए रखते हैं। आर्थिक असमानता और बेरोज़गारी विरोध उत्पन्न कर सकती हैं, लेकिन ये आम तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के भीतर ही सीमित रहते हैं और व्यापक अराजकता का रूप नहीं लेते। अंतरराष्ट्रीय प्रभाव और भू-राजनीति भी किसी देश की स्थिरता पर असर डाल सकते हैं। नेपाल की अराजकता में पड़ोसी देशों का प्रभाव रहा, लेकिन भारत, एक बड़ा और सशक्त देश होने के नाते, अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और मजबूत सुरक्षा तंत्र के कारण विदेशी हस्तक्षेप से अपेक्षाकृत सुरक्षित है। भारत की सैन्य क्षमता, आंतरिक सुरक्षा तंत्र और कूटनीतिक भूमिका देश की स्थिरता बनाए रखने में निर्णायक हैं।आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भारत की स्थिति भी नेपाल से भिन्न है। भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था, रोजगार के अवसर, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ और समृद्धि के प्रयास असंतोष को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। मीडिया, नागरिक समाज और संस्थागत निगरानी तंत्र लोकतंत्र में पारदर्शिता बनाए रखते हैं। इन सभी कारकों के कारण भारत व्यापक रूप से स्थिर बना रहता है और नेपाल जैसी राजनीतिक अराजकता से बचा रहता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत में नेपाल जैसी अराजकता की संभावना बहुत कम है। मजबूत संवैधानिक ढांचा, स्वतंत्र संस्थाएँ, लोकतांत्रिक प्रक्रिया, संघीय संतुलन और आर्थिक-सामाजिक तंत्र इसे सुरक्षित रखते हैं। हालांकि लोकतंत्र में असंतोष, सामाजिक संघर्ष और आर्थिक दबाव हमेशा संभावित जोखिम बन सकते हैं, पर भारत की स्थिरता का रहस्य यही है कि इन चुनौतियों का प्रबंधन संस्थागत ढांचे और संवैधानिक उपायों के माध्यम से किया जाता है। **यह निजी विचार है।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक पेशेवर कर्मयोगी

हरदीप एस पुरी
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई उपस्थिति और संगठनात्मक नेतृत्व की भरपूर प्रशंसा की गई है। उनके काम की विशेषता उनकी कठोर व्यावसायिकता है, जिसे कम ही लोग जानते और समझते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले ढाई दशकों में उनकी एक अथक पेशेवर कार्यशैली विकसित हुई है।

जो चीज़ उन्हें अलग बनाती है, वह है दिखावे की प्रतिभा नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुशासन जो दृष्टि को टिकाऊ व्यवस्थाओं में बदल देता है। भारतीय मुहावरे में, वे एक कर्मयोगी हैंः कर्तव्य पर आधारित कर्म, जो ज़मीनी स्तर पर बदलाव से मापा जाता है।

इस साल लाल किले से उनके स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में यही नीति थी। इस भाषण में उपलब्धियों का लेखा-जोखा कम और साझा कार्य का एक चार्टर ज़्यादा पेश किया गयाः नागरिकों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स और राज्यों को विकसित भारत के सह-लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया। गहन तकनीक, स्वच्छ विकास और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं की महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्यक्रमों के रूप में प्रस्तुत किया गया, न कि केवल दिखावटीपन के रूप में, और जनभागीदारी, एक मंच निर्माण करने वाले राज्य और उद्यमी लोगों के बीच साझेदारी, को एक पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

जीएसटी ढांचे का हालिया सरलीकरण इसी पद्धति को दर्शाता है। स्लैब को कम करके और टकराव के बिंदुओं को दूर करके, परिषद ने छोटी फर्मों के लिए अनुपालन लागत कम की है और परिवारों तक लाभ पहुँचाने में तेज़ी लाई है। प्रधानमंत्री का ध्यान अमूर्त राजस्व वक्रों पर नहीं, बल्कि इस बात पर था कि क्या आम नागरिक या छोटा व्यापारी इस बदलाव को जल्दी महसूस कर पाएगा। यह प्रवृत्ति उस सहकारी संघवाद की प्रतिध्वनि है जिसने जीएसटी परिषद का मार्गदर्शन किया हैः राज्य और केंद्र गहन विचार-विमर्श करते हैं, लेकिन सभी एक ऐसी प्रणाली के भीतर काम करते हैं जो स्थिर रहने के बजाय परिस्थितियों के अनुकूल हो जाती है। नीति को एक जीवंत साधन के रूप में माना जाता है, जो अर्थव्यवस्था की लय के अनुरूप है, न कि कागज़ पर समरूपता के लिए संरक्षित एक स्मारक के रूप में।

यह वह व्यावसायिकता ही है जिसके कारण वह अमेरिका से देर रात 15 घंटे की विदेश यात्रा के बाद निर्माणाधीन नई संसद भवन के गेट पर बिना किसी सूचना के पहुंचे।

मैंने हाल ही में प्रधानमंत्री से पंद्रह मिनट का समय माँगा था और मैं उनकी चर्चा में आई व्यापक गहराई और बहुआयामी दायरे से प्रभावित हुआ—सूक्ष्म विवरण और व्यापक संबंध एक ही फ्रेम में समाहित। यह बैठक पैंतालीस मिनट की हो गई। बाद में सहकर्मियों ने मुझे बताया कि उन्होंने तैयारी में दो घंटे से ज़्यादा समय बिताया, नोट्स, आँकड़े और प्रतिवाद पढ़े। होमवर्क का यह स्तर कोई अपवाद नहीं है; यह वह कार्य-मानदंड है जो उन्होंने अपने लिए निर्धारित किया है और व्यवस्था से अपेक्षाएँ रखते हैं। निरंतर तैयारी की यही आदत सुनिश्चित करती है कि निर्णय ठोस और भविष्य के लिए उपयुक्त हों।

भारत की हालिया प्रगति का अधिकांश हिस्सा उन पाइपलाइनों और प्रणालियों पर आधारित है जिन्हें हमारे नागरिकों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डिजिटल पहचान, सार्वभौमिक बैंक खाते और रीयल-टाइम भुगतान की तिकड़ी ने समावेशन को बुनियादी ढाँचे में बदल दिया है। लाभ सीधे सत्यापित नागरिकों तक पहुँचते हैं; लीकेज डिज़ाइन के अनुसार कम हो जाते हैं; छोटे व्यवसायों को अनुमानित नकदी प्रवाह मिलता है; और नीतियाँ किस्से-कहानियों के बजाय आँकड़ों पर आधारित होती हैं। अंत्योदय - अंतिम नागरिक का उत्थान - इस प्रकार एक नारा नहीं, बल्कि एक मानक बन जाता है - और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुँचने वाली प्रत्येक योजना, कार्यक्रम और फ़ाइल का असली लिटमस टेस्ट बना रहता है।

मुझे असम के नुमालीगढ़ में भारत के पहले बांस आधारित 2जी इथेनॉल संयंत्र के शुभारंभ के दौरान एक बार फिर इसका गवाह बनने का सौभाग्य मिला। इंजीनियरों, किसानों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ खड़े होकर, प्रधानमंत्री के प्रश्न सीधे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गएः किसानों को भुगतान उसी दिन कैसे प्राप्त होगा; क्या आनुवंशिक इंजीनियरिंग से ऐसा बांस तैयार किया जा सकता है जो तेज़ी से बढ़ता है और गांठों के बीच बांस के तने की लंबाई बढ़ाता है; क्या महत्वपूर्ण एंजाइमों का स्वदेशीकरण किया जा सकता है; क्या बांस के हर घटक—तना, पत्ती, अवशेष—का इथेनॉल से लेकर फुरफुरल और ग्रीन एसिटिक एसिड तक, आर्थिक उपयोग किया जा रहा है? चर्चा केवल तकनीक तक ही सीमित नहीं थी। यह रसद, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट तक विस्तृत हुई। अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में भाग लेने वाले व्यक्ति के रूप में, मैंने तुरंत इस पद्धति को पहचान लियाः संक्षिप्त विवरण की स्पष्टता, विवरण में सटीकता और इस बात पर ज़ोर कि श्रृंखला में अंतिम व्यक्ति को पहला लाभार्थी होना चाहिए।

यही स्पष्टता भारत की आर्थिक नीति को भी जीवंत करती है। ऊर्जा के क्षेत्र में, विविध आपूर्तिकर्ता समूह और शांत, दृढ़ खरीदारी ने उतार-चढ़ाव भरे समय में हमारे हितों को सुरक्षित रखा है। विदेश में एक से ज़्यादा मौकों पर, मैंने एक बेहद सरल निर्देश दिया थाः आपूर्ति सुनिश्चित करना, सामर्थ्य बनाए रखना और भारतीय उपभोक्ताओं को केंद्र में रखना। उस स्पष्टता का सम्मान किया गया और परिणामस्वरूप बातचीत और भी सुचारू रूप से आगे बढ़ी।

राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बिना किसी नाटक के आगे बढ़ाया गया है। दृढ़ संकल्प और संयम के साथ किए गए अभियानों—लक्ष्य स्पष्ट, सैन्य बलों को संचालन की स्वतंत्रता, निर्दोषों की सुरक्षा—में शोरगुल के बजाय आश्वासन पर ज़ोर दिया गया है। नीति एक ही हैः कड़ी मेहनत करो, नतीजों को बोलने दो।

इन विकल्पों के पीछे एक विशिष्ट कार्यशैली छिपी है। चर्चाएँ सभ्य लेकिन निर्भीक होती हैं; परस्पर विरोधी विचारों का स्वागत है, लेकिन भटकाव का नहीं। सभी की बात सुनने के बाद, वह एक मोटे दस्तावेज़ को ज़रूरी विकल्पों तक सीमित कर देते हैं, ज़िम्मेदारी सौंपते हैं और सफलता तय करने वाले पैमाने बताते हैं। सबसे ज़ोरदार तर्क नहीं, बल्कि सबसे अच्छा तर्क ही जीतता है; तैयारी को पुरस्कृत किया जाता है; और अनुवर्ती कार्रवाई निरंतर जारी रहती है। सहकर्मियों के लिए, यह तैयारी की शिक्षा है; व्यवस्था के लिए, यह एक ऐसी संस्कृति है जहाँ परिणाम को मापा जाता है, न कि अनुमान लगाया जाता है।

यह कोई संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन विश्वकर्मा जयंती पर पड़ता है, जो दिव्य शिल्पी का दिन है। यह समानता शाब्दिक नहीं, बल्कि शिक्षाप्रद हैः सार्वजनिक जीवन में, सबसे स्थायी स्मारक संस्थाएँ, मंच और मानक होते हैं। नागरिक के लिए, कार्य-निष्पादन एक ऐसा लाभ है जो समय पर मिलता है और एक ऐसी कीमत जो उचित रहती है; उद्यम के लिए, यह नीतिगत स्पष्टता और विस्तार का एक विश्वसनीय मार्ग है; राज्य के लिए, यह ऐसी व्यवस्थाएँ हैं जो दबाव में भी टिकी रहती हैं और उपयोग के साथ बेहतर होती जाती हैं। यही वह पैमाना है जिससे नरेंद्र मोदी को देखा जाना चाहिए; एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में जिनका कार्य-निष्पादन तमाशा नहीं, बल्कि सेवा है, जो भारतीय इतिहास के अगले अध्याय को आकार दे रहा है।

लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।

वैश्विक वर्चस्व की कुंजी ऊर्जा नीतियां

विनीत नारायण

आज की दुनिया में ऊर्जा नीतियां सिर्फ आर्थिक निर्णय नहीं हैं, बल्कि वैश्विक वर्चस्व की कुंजी हैं। जब अमेरिका तेल और गैस पर दांव लगा कर पुरानी राह पर लौट रहा है, वहीं चीन स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को गति दे रहा है। यह विरोधाभास न केवल आर्थिक असंतुलन पैदा कर रहा है, बल्कि भविष्य की तकनीकी दिग्गजों-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-के लिए बुनियादी ढांचे को भी प्रभावित कर रहा है। साइरस जेन्सेन की हालिया वीडियो 'अमेरिका जस्ट मेड द ग्रेटेस्ट मिस्टेक ऑफ द 21वीं सेंचुरी' इस मुद्दे को बेबाकी से उजागर करती है।

अमेरिका, जो कभी नवाचार का प्रतीक था, अब अपनी ऊर्जा नीतियों में उल्टा चढ़ाव दिखा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, अमेरिका ने अलास्का में 44 अरब डॉलर का प्राकृतिक गैस प्रोजेक्ट शुरू किया था। जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की योजनाओं को रद्द कर रही हैं, और वी8 गैस इंजनों पर लौट रही हैं। यहां तक कि ईवी खरीद पर टैक्स क्रेडिट भी समाप्त कर दिए गए हैं। यह सब तब हो रहा है, जब दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, और नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य का रास्ता दिख रही है।

जेन्सेन की वीडियो में साफ कहा गया है कि अमेरिका की यह रणनीति अल्पकालिक लाभ के लिए है। तेल और गैस निर्यात बढ़ाने से तत्काल आर्थिक फायदा तो मिलेगा, लेकिन लंबे समय में यह वैश्विक बाजारों में पीछे धकेल देगा। अमेरिका ने 1950 के दशक में सोलर पैनल विकसित किए थे, 1970 के दशक में लिथियम-आयन बैटरी का आविष्कार किया, लेकिन रोनाल्ड रीगन जैसे नेताओं ने जिमी कार्टर के व्हाइट हाउस सोलर पैनल हटाकर इसकी उपेक्षा की। आज भी वही पुरानी सोच हावी है।

परिणामस्वरूप, अमेरिका ईवी निर्यात में मात्र 12 अरब डॉलर और बैटरी निर्यात में 3 अरब डॉलर पर सिमट गया है, जबकि सोलर पैनल निर्यात तो महज 69 मिलियन डॉलर का है। यह भूल सिर्फ आर्थिक नहीं, भू-राजनीतिक भी है। वैश्विक दक्षिण-जो सौर और पवन ऊर्जा के 70 प्रतिशत स्रेतों और महत्वपूर्ण खनिजों के 50 प्रतिशत का नियंत्रण रखता है-अब नवीकरणीय ऊर्जा की ओर मुड़ रहा है।

अमेरिका का जीवाश्म ईंधन पर फोकस इन देशों को अलग-थलग कर देगा जबकि चीन इनके साथ साझेदारी कर रहा है। वहीं, चीन ने स्वच्छ ऊर्जा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लिया है। 2024 में चीन ने दुनिया के बाकी देशों से ज्यादा विंड टर्बाइन और सोलर पैनल लगाए। ईवी और बैटरी स्टोरेज में निवेश ने इसे वैश्विक नेता बना दिया है। पिछले साल चीन ने 38 अरब डॉलर के ईवी निर्यात किए, 65 अरब डॉलर की बैटरी बेचीं, और सोलर पैनल के 40 अरब डॉलर के निर्यात किए। स्वच्छ ऊर्जा पेटेंट में चीन के पास 7 लाख से ज्यादा हैं, जो दुनिया के आधे से अधिक हैं।

जेन्सेन उद्धृत करते हुए बताते हैं कि चीन की सफलता का राज समन्वित प्रयास है। सीएल के सह-अध्यक्ष शिएन पैन कहते हैं, 'चीन को लंबे लक्ष्य पर प्रतिबद्ध करना मुश्किल है, लेकिन जब हम प्रतिबद्ध होते हैं, तो समाज के हर पहलू-सरकार, नीति, निजी क्षेत्र, इंजीनियरिंग-सभी एक ही लक्ष्य की ओर कड़ी मेहनत करते हैं।' यह दृष्टिकोण अमेरिका की छिटपुट नीतियों से बिल्कुल अलग है।

चीन अब वैश्विक बाजारों में फैल रहा है। ब्राजील, थाईलैंड, मोरक्को और हंगरी में ईवी और बैटरी फैक्टरियां बना रहा है। हंगरी में 8 अरब डॉलर का कारखाना, इंडोनेशिया में 11 अरब डॉलर का सोलर प्लांट-ये निवेश न केवल आर्थिक, बल्कि भू-राजनीतिक लाभ भी दे रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से जेन्सेन कहते हैं, 'ईवी बैटरी बनाने वाले देश दशकों तक आर्थिक और भू-राजनीतिक फायदे काटेंगे। अभी तक का एकमात्र विजेता चीन है।'

पिछले 15 वर्षों में चीन ने बिजली उत्पादन में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है क्योंकि एआई जैसी उभरती तकनीकें बिजली पर निर्भर हैं। चीन का स्वच्छ ऊर्जा निवेश न केवल पर्यावरण बचाएगा, बल्कि एआई क्रांति में भी नेतृत्व देगा। आरएमआई की 'पावरिंग अप द ग्लोबल साउथ' रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक दक्षिण के 70 प्रतिशत सौर-पवन संसाधन चीन की रणनीति से जुड़ रहे हैं। यह संघर्ष सिर्फ दो महाशक्तियों का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का है। वैश्विक दक्षिण-अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, दक्षिण एशिया-अब सस्ती और सतत ऊर्जा की तलाश में है। चीन ने इन देशों में सस्ते सोलर पैनल और ईवी तकनीक पहुंचाई है, जबकि अमेरिका के महंगे गैस प्रोजेक्ट इनके लिए बोझ साबित हो रहे हैं। परिणाम? ये देश चीन की ओर झुक रहे हैं।

भारत के संदर्भ में देखें तो यह चेतावनी स्पष्ट है। हमारी 'मेक इन इंडिया' और 'प्लेड्ज फॉर क्लाइमेट' पहलें स्वच्छ ऊर्जा पर केंद्रित हैं, लेकिन चीन का वर्चस्व चुनौती है। भारत सोलर और विंड में प्रगति कर रहा है, लेकिन बैटरी और ईवी चिप्स में आयात पर निर्भरता बनी हुई है। यदि हम चीन की तरह समन्वित नीति नहीं अपनाते, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पीछे रह जाएंगे। अमेरिका की गलती से सबक लेते हुए, भारत को स्वदेशी नवाचार पर जोर देना चाहिए-जैसे लिथियम खनन और बैटरी रिसाइक्लिंग में निवेश।

अमेरिका की यह भूल नई नहीं है। 20वीं सदी में जापान ने इलेक्ट्रॉनिक्स में अमेरिका को पीछे छोड़ा था क्योंकि अमेरिका ने अल्पकालिक लाभ को प्राथमिकता दी। आज चीन स्वच्छ ऊर्जा में वही कर रहा है। जेन्सेन की वीडियो एक चेतावनी हैः जो देश बिजली उत्पादन में आगे होगा वही एआई और अगली औद्योगिक क्रांति जीतेगा। अमेरिका को अपनी नीतियां पलटनी होंगी-ईवी सब्सिडी बहाल करनी होंगी, नवीकरणीय अनुसंधान में निवेश बढ़ाना होगा। लेकिन समय कम है।

चीन का बढ़त 10 वर्षों का नहीं, बल्कि दशकों का हो सकता है। अमेरिका ने 21वीं सदी की सबसे बड़ी गलती कर दी है-जीवाश्म ईंधन पर दांव लगा कर स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य को गंवा दिया। चीन का उदय एक सबक हैः समन्वित, दूरदर्शी नीतियां ही विजेता बनाती हैं। भारत जैसे देशों को इस दौड़ में शामिल होना चाहिए ताकि हम न केवल पर्यावरण बचाएं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता भी हासिल करें। समय आ गया है कि दुनिया एकजुट होकर स्वच्छ ऊर्जा को अपनाए अन्यथा इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

(लेख में विचार निजी हैं)

देश में आजादी के 75 साल बाद भी मेडिकल साइंस में पीछे क्यों?,आम आदमी को उपचार मिलना शेष है

अजय दीक्षित

विकसित और यूरोपीय देशों की तुलना में भारत मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं जबकि अन्य देशों की तुलना में हम सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं। भारत की तुलना में यूएस, यूरोपीय देश, सबसे आगे है।हम अपनी जनता को इलाज की जरूरत पूरी नहीं कर पाते हैं। जबकि भारत में 780 मेडिकल कॉलेज में 118000 सीट एमबीबीएस की हैं। आजादी के 78 साल बाद भी आम आदमी को सरकार की ओर से मुफ्त इलाज की सुविधा नहीं है। बड़े बड़े महानगरों में स्थापित बड़े और नामी ग्रामी अस्पताल धनाढ्य लोगों के लिए बने जो प्रतिदिन एक मरीज से पचास हजार रुपए तक बसूलते है। जबकि भारत में आम आदमी की औसत आय 15 से 20 हजार रुपए महीने है । सरकारी अस्पताल में अफरातफरी मची है और इलाज के लिए महीनों का इंतजार है और तब तक मरीज मौत के मुंह में समा जाता है।

स्टडी फॉर इंटरनेशनल मेडिकल साइंस की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, अफ्रीका के देश मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, सीरिया, लेबनान, लीबिया, और भारत में लोक स्वास्थ्य की हालत ठीक नहीं है।उसने इंग्लैंड के ग्लासको शहर को मेडिकल साइंस में अगरणीय माना है । बताया जाता है कि स्कॉटलैंड के इस शहर दवाइयां बिकती नहीं हैं बल्कि चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर मुफ्त दी जाती हैं और यहां पर प्रत्येक नागरिक का एक आईडी है जिसमें उसके स्वास्थ्य का ब्यौरा है। बीमार होने पर एंबुलेंस लेकर जाती है और अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और ठीक होने पर घर छोड़ा जाता है। इसका कोई व्यय नहीं होता है।

भारत के बारे माना जाता है कि जब एलोपॅथी का ईजाद नहीं हुआ था तब भी हमारे धन्वंतरि नामक ऋषि ने आर्युवेद से तत्कालीन समय में बहुत बीमारियों का उपचार विकसित किया । एलोपैथी की खोज लुई पाश्चर नामक वैज्ञानिक ने की उन्होंने घोड़े की लीद से किडवान कर पेनिसिलिन नामक रक्षित द्रव्य बनाया। फिर शनै शनै तमाम यूरोपीय देशों ने दवाइयां बनाई , शल्य चिकित्सा आरंभ हुई।

भारत में ब्रिटिश राज्य में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए जिनमें किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, मद्रास, ब्रिटिश रेजिडेंसी मेडिकल कॉलेज कलकत्ता, मिंटो मेडिकल कॉलेज देहली, लेडी इरबन मेडिकल कॉलेज, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज,आदि प्रमुख थे।

आजादी के बाद भारत सरकार ने 250 से अधिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल स्थापित किए।अब बढ़ाकर 780 हो चुके हैं । जवाहर लाल नेहरू ने एम्स देहली बनवाया।

भारत अब 145 करोड़ आबादी है । यूरोपीय देशों से तुलना करे तो 10000 से अधिक हॉस्पिटल होना चाहिए ।भारत में 500 से अधिक जिले और 4000 से अधिक तहसील हैं 5000 विधानसभा क्षेत्र है । आम आदमी को इलाज के लिए रिस्क कवर नहीं है ।आम आदमी को कैंसर, एम डी आर, न्यूरो तकलीफ,ब्लाइंड नेस, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, आदि समस्या के निदान के लिए देहली, कोलकाता,मुंबई,चेन्नई, नागपुर, बनारस, आगरा, लखनऊ, चंडीगढ़, गोरखपुर, प्रयागराज, पुणे, ग्वालियर, इंदौर दरभंगा, पटना, बेगुसराय, सीतामढ़ी, आदि शहरों का रुख कर ना पड़ता है।जो आम आदमी के हैसियत से बाहर की बात है। वास्तव में देखा जाय तो स्वास्थ्य भारत में एक चुनौती कार्य है क्योंकि हम इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश हैं

नेशनल मेडिकल कमीशन की 2025 की रिपोर्ट में कहा है कि भारत को कम से कम 10000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,5000 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,800 जिला अस्पताल, इतने ही मेडिकल कॉलेज और दो लाख एमबीबीएस की सीटे और 50000 हजार पोस्ट ग्रेजुएट डॉक्टर,5000 डीएम,एमसीएच, चिकित्सक चाहिए क्योंकि नव निर्मित और स्थापित मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी का बहुत अभाव है।

मेडिकल कॉलेज, जिला आसपास में नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, कार्डियो, ऑनकोलॉजी,के एसोसिएट, असिस्टेंट, प्रोफेसर डॉ नहीं हैं।

ऐसा भी नहीं है कि भारत में मेडिकल साइंस के क्षेत्र में कोई कार्य नहीं किया है। ट्यूबरक्लोसिस,पोलियो, घोंघा, आदि पर पूर्ण निवारण किया है।

जीएसटी सुधार : हिमाचल की विरासत एवं अर्थव्यवस्था सुदृढ़ीकरण

पीआईबी

प्रमुख बिंदु शॉल, टोपी तथा हस्तशिल्प पर जीएसटी 12% से घटकर 5% होने से 10,000-12,000 कारीगरों को लाभ 5,900 कांगड़ा चाय उत्पादकों को खुली चाय पर अब 0% जीएसटी से लाभ सैकड़ों किसान और ग्रामीण परिवार काला जीरा और चुल्ली तेल की खेती करते हैं (5%) खाद्य प्रसंस्करण (बद्दी, बरोटीवाला और नालागढ़) और चिकित्सा उपकरण (सोलन) में लगभग 20,000 श्रमिकों को जीएसटी में 5% की कटौती से लाभ हुआ नवीनतम जीएसटी सुधारों ने देश भर में बोझ कम किया है और विभिन्न राज्यों व क्षेत्रों को इसके विविध लाभ मिले हैं। हिमाचल प्रदेश, जो अपने समृद्ध पारंपरिक शिल्प, विशिष्ट कृषि उपज और बढ़ते उद्योगों के लिए जाना जाता है, में जीएसटी दरों में हालिया कटौती का गहरा प्रभाव पड़ने की संभावना है।

ये छोटे कारीगरों और बुनकरों के लिए राहत, किसानों और कृषकों के लिए नए अवसर और हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक समूहों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धात्मकता लाएँगे। ये सुधार मिलकर आजीविका को मज़बूत करेंगे और राज्य को निरंतर विकास की ओर अग्रसर करेंगे।

शॉल तथा ऊनी वस्त्र

हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हथकरघा उत्पादों, खासकर शॉल और ऊनी वस्त्रों को नए जीएसटी ढांचे में राहत मिलने की उम्मीद है। ये उत्पाद सिर्फ़स्मृति चिन्ह नहीं हैं; ये हज़ारों कारीगरों की आजीविका का ज़रिया हैं।

कुल्लू घाटी में, स्वयं सहायता समूहों से जुड़े 3,000 से ज़्यादा बुनकर चमकीले पैटर्न वाले, जीआई-टैग वाले, कुल्लू शॉल बनाते हैं। ये बुनकर राज्य भर के अनुमानित 10,000-12,000 हथकरघा कारीगरों का हिस्सा हैं, जो इन हस्तशिल्पों से अपनी आजीविका चलाते हैं। पड़ोसी किन्नौर ज़िले के शॉल, जो जटिल पौराणिक रूपांकनों से सजे हैं, कई हज़ार कारीगरों द्वारा बुने और हाथ से रंगे जाते हैं। जीएसटी 12% से घटकर 5% होने से, उपभोक्ताओं के लिए इन हस्तनिर्मित उत्पादों की लागत में कमी आने की उम्मीद है। यह कदम कारीगरों की प्रतिस्पर्धात्मकता एवं आय को सीधे तौर पर बढ़ावा देता है।

पश्मीना शॉल को भी 12% से बढ़ाकर 5% कर दिए जाने से लाभ हुआ है। हालाँकि इसे अक्सर कश्मीर से जोड़ा जाता है, हिमाचल प्रदेश का अपना उत्पादन लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू, मंडी और शिमला जैसे क्षेत्रों में भी होता है। हथकरघा क्षेत्र के 10,000-12,000 कारीगरों में से कई पश्मीना से जुड़े हैं और शानदार ऊनी शिल्प तैयार करते हैं। कर में कटौती से इस उच्च-मूल्य वाले क्षेत्र में भी राहत मिली है, जिससे कारीगरों को मार्जिन बनाए रखते हुए अपने शॉलों की कीमतें अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिल सकती है।

शॉलों के साथ-साथ, पारंपरिक हिमाचली टोपियाँ, जैसे बहुरंगी किन्नौरी टोपियाँ और दस्ताने जैसे अन्य ऊनी सामान भी संशोधित जीएसटी स्लैब से लाभान्वित होंगे। ये वस्तुएँ ऊँचाई वाले ज़िलों के हज़ारों कारीगरों द्वारा हाथ से बुनी जाती हैं। कम कर से उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कुछ हद तक कमी आने की उम्मीद है। इससे कारीगरों और बुनकरों की आजीविका सुरक्षित होगी और पीढ़ियों पुराने शिल्प को संरक्षित करने में मदद मिलेगी।

हस्तशिल्प एवं कुटीर उद्योग

वस्त्र उद्योग के अलावा, हिमाचल प्रदेश विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों का केंद्र है, और इन सभी को जीएसटी के युक्तिकरण से लाभ हुआ है। अधिकांश हस्तशिल्प वस्तुओं पर जीएसटी 12त्न से घटाकर 5त्न कर दिया गया है; इसका राज्य भर के कारीगरों पर सीधा प्रभाव पड़ा है।

चंबा रुमाल कढ़ाई

चंबा रुमाल एक जीआई-टैग वाला, लघु हस्त-कढ़ाई वाला कपड़ा है, जिसे मुख्य रूप से चंबा जिले की महिला कारीगरों द्वारा बनाया जाता है। स्थानीय समूहों की सैकड़ों महिलाएँ इसके उत्पादन में शामिल हैं। अब 5त्न जीएसटी होने से, खरीदारों के लिए लागत कम है, जिससे इन रुमालों की माँग बढ़ सकती है। कर में कटौती शिल्प के सांस्कृतिक मूल्यों की मान्यता और विरासत कला रूपों के प्रचार का भी प्रतीक है।

चंबा चप्पलें

चंबा की पारंपरिक चमड़े की चप्पलें, सैकड़ों छोटी कुटीर शिल्प इकाइयों द्वारा निर्मित एक और जीआई-टैग्ड उत्पाद हैं। कम जीएसटी दर से इनकी कीमतें मशीन-निर्मित जूतों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएँगी और स्वदेशी चप्पलों की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा। इससे कारीगरों को अपना मुनाफ़ा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

लकड़ी के शिल्प जटिल लकड़ी के दरवाजों और पैनलों से लेकर फ़र्नीचर तक, नक्काशीदार लकड़ी के उत्पाद चंबा, किन्नौर और कुल्लू जैसे क्षेत्रों में बनाए जाते हैं। यह उद्योग हिमाचल प्रदेश के हजारों ग्रामीण कारीगरों को रोजगार देता है। नई जीएसटी दरों ने लकड़ी के सामानों को 5त्न कर की श्रेणी में डाल दिया है, जिससे स्थानीय स्तर पर बने लकड़ी के फ़र्नीचर और स्मृति चिन्हों की मांग बढ़ेगी। इससे न केवल ये वस्तुएं सस्ती होंगी, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी मदद मिलेगी।

मिट्टी के बर्तन और धातु के बर्तन

हिमाचल में एक मज़बूत पारंपरिक धातु शिल्प उद्योग है और राज्य में सैकड़ों छोटी कारीगर इकाइयाँ इन शिल्पों में लगी हुई हैं। विभिन्न ज़िलों में फैले, कुशल कारीगर अनुष्ठानिक बर्तन, आभूषण और मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। 5त्न की संशोधित जीएसटी दरों से स्वदेशी धातु के बर्तनों और मिट्टी के बर्तनों के लिए एक अधिक अनुकूल बाज़ार बनने की उम्मीद है। इससे कारीगरों को अपने धातु के बर्तन और मिट्टी के बर्तन बेचने का बेहतर अवसर मिलेगा।

बाँस की वस्तुएँ - हिमाचल के कुछ हिस्सों में बाँस की वस्तुएँ जैसे टोकरियाँ और अन्य पर्यावरण-अनुकूल शिल्पकलाएँ बनाई जाती हैं। इस उद्योग में सैकड़ों कारीगर काम करते हैं, जिनमें से कई हाशिए के समुदायों से आते हैं। इन उत्पादों पर, जिन पर पहले 12% कर लगता था, अब 5त्न से कम कर लगता है। कारीगरों के लिए, यह एक स्वागत योग्य बदलाव है, क्योंकि इससे न केवल उनके ग्राहकों के लिए कीमतें कम होंगी, बल्कि यह टिकाऊ, पारंपरिक शिल्पकला के प्रति सरकार के समर्थन को भी दर्शाता है।

मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफने अपना 25वां स्थापना दिवस मनाया

पीआईबी

मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (एचक्यू आईडीएस) ने बुधवार को अपना स्थापना दिवस मनाया, जो 01 अक्टूबर 2001 को अपनी स्थापना के बाद से सेवा के 25वें वर्ष के प्रारंभ का प्रतीक है। मुख्यालय आईडीएस सशस्त्र बलों में संयुक्तता और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी संस्थान के रूप में संकल्पित साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों के लिए त्रि-सेवा तालमेल के आधार के रूप में उभरा है, जो भारत की एकीकृत सैन्य तैयारियों को आकार देने में एक प्रमुख प्रवर्तक है।

मुख्यालय आईडीएस ने वर्षों से इस प्रक्षेप पथ को जारी रखा है और नए संयुक्त सैन्य ढांचों के निर्माण में सहयोग दिया है तथा एकीकृत त्रि-स्तरीय सेवा तंत्र स्थापित करने के उद्देश्य से पहलों में योगदान दिया है। मुख्यालय आईडीएस ने क्षमता विकास में तीनों सेनाओं के रोडमैप को सुगम बनाया है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण के अनुरूप, स्वदेशी समाधानों को गति देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों और उद्योग भागीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

इसने सर्वोच्च सैन्य और असैन्य नेतृत्व के लिए एक मंच प्रदान किया और शीर्ष स्तर पर संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन (सीसीसी) के संचालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने मित्र राष्ट्रों के साथ संयुक्त स्टाफ वार्ता का समन्वय किया और द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय स्तर पर बहुराष्ट्रीय रक्षा सहयोग ढांचों में योगदान दिया।

मुख्यालय आईडीएस ने मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) को प्राथमिकता देते हुए समन्वित अभ्यासों और तैनाती के माध्यम से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया में सहयोग किया। संयुक्त परिचालन समीक्षा और मूल्यांकन (सीओआरई) कार्यक्रम ने 2025 में प्रशिक्षण और शिक्षा में सुधार किया। मुख्यालय आईडीएस ने साथ ही साइबर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों को उन?नत किया है। इसके लिए विभिन्न सेवाओं के बीच एकीकरण को बढ़ावा दिया है। वैज्ञानिक संस्थानों के साथ संवाद को सुगम बनाया है और सैन्य अनुप्रयोगों के लिए नई तकनीकों को अपनाने में मदद की है। इसमें एकीकरण को और अधिक गहरा करने के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जिसमें संयुक्त परिचालन सिद्धांतों को बढ़ाने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को रणनीतिक दूरदर्शिता के साथ संयोजित करने वाले प्रशिक्षण ढांचे को संस्थागत बनाने तथा बहुपक्षीय सुरक्षा सहयोग में भारत की भूमिका का विस्तार करने पर जोर दिया गया। मुख्यालय आईडीएस ने अपने पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों के समर्पण को याद किया।

इसकी स्थापना नियोजन, बल संरचना, क्षमता विकास और सैद्धांतिक विकास में एक एकीकृत दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए की गई थी, जिससे भारतीय सेना की परिचालन प्रभावशीलता में वृद्धि हो सके।

लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक का पदभार संभाला

पीआईबी

लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने 01 अक्टूबर, 2025 को लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह के स्थान पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। वे ऐसे समय में कार्यभार संभाल रहे हैं जब दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन, एनसीसी, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में अपने कैडेटों की संख्या 20 लाख तक बढ़ा रहा है। एनसीसी एकता और अनुशासन के अपने आदर्श वाक्य के साथ चरित्र निर्माण और देशभक्ति पर अपने पारंपरिक फोकस के साथ नवाचार, डिजिटल कौशल और वैश्विक जागरूकता को एकीकृत करते हुए विकसित भारत2047 के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

17 दिसंबर, 1988 को भारतीय सेना की 19 कुमाऊँ रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स अपने साथ 37 वर्षों का विशिष्ट अनुभव लेकर आए हैं। उनके पास उग्रवाद-रोधी और आतंकवाद-रोधी परिस्थितियों में काम करने का अनुभव है और उन?होंने अरुणाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी और सेना मुख्यालय में महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत एक इन्फैंट्री ब्रिगेड की भी कमान संभाली है। इस नियुक्ति से पहले वे वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में कमांडेंट थे। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून, रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय, सिकंदराबाद और राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व छात्र, लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स अपने साथ संचालन और नेतृत्व का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। उनकी विशेषज्ञता और दूरदर्शिता से एनसीसी को नए जोश के साथ आगे बढ़ाने और राष्ट्र के लिए अनुशासित, जिम्मेदार और भविष्य के युवाओं को तैयार करने में इसकी भूमिका को और बढ़ाने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री साय ने रतनपुर महामाया मंदिर में नवरात्रि पर की पूजा अर्चना

बिलासपुर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर रतनपुर स्थित ऐतिहासिक महामाया मंदिर पहुँचकर मां महामाया का दर्शन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने मंदिर प्रांगण में दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट की और उन्हें नवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर विधायक सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर, कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह सहित महामाया ट्रस्ट के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री रमेन डेका से नव नियुक्त मुख्य सचिव ने सौजन्य भेंट की

रायपुर,राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में प्रदेश के नव नियुक्त मुख्य सचिव श्री विकास शील ने सौजन्य भेंट की।

भूपेंद्र सिंह ने मां के दरबार मे आशीर्वाद ग्रहण किया

लोकशक्ति

केसिंगा दशहरा पूजा के पावन अवसर पर पूरे जिले में मां दुर्गा पूजा बड़े ही धूमधाम एवं हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर उड़ीसा के जाने-माने नेता एवं सब के दुख सुख के साथी और पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने पूरे जिले में मां दुर्गा से आशीर्वाद ग्रहण करने के लिए हर जगह पर जाकर के अपना माथा टेका है । इस मौके पर भवानीपटना स्थिति बहादुर बगीचा पडा में मां के दरबार में नृत्य एवं डांडिया का कार्यक्रम किया गया था इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए वहां के कार्यकर्ता गणों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह जी की उपस्थिति ने चार चांद लगा दिया। एवं उन्होंने वहां के कुछ जाने वाले व्यक्ति को सम्मानित भी किया। श्री सिंह ने किसिंगा पहुंच करके स्थानीय गौरी शंकर मंदिर में एवं सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में और मां अंम्बाजी मन्दिर के प्रांगण में पूजा अर्चना की एवं आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर गौरीशंकर मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल, बंनटी अग्रवाल, श्यामलाल जैन, जगदीश प्रसाद अग्रवाल ,भी उनके साथ उपस्थित रहे एवं प्रसाद ग्रहण किया। उसके पश्चात सार्वजनिक दुर्गा पूजा का पंडाल में जाकर के मां के दरबार पर पूजा अर्चना की एवं आशीर्वाद ग्रहण किया। वहां पर भी सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष रामकुमार जैन एवं कोषाध्यक्ष अनिल कुमार जैन और उनके सहयोगी साथी गण भी उपस्थित रहे। उनके साथ उनके परिवार गण एवं उनके भ्राता श्री देबू सिंह भी उपस्थित रहे।

युवा मामले विभाग स्वच्छता, रिकॉर्ड प्रबंधन और ई-कचरा निपटान पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष अभियान 5.0 के लिए तैयार

पीआईबी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार का युवा कार्यक्रम विभाग, उत्तरदायी शासन और सुव्यवस्थित प्रशासनिक कार्यप्रणाली का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है। विशेष अभियान 4.0 की उपलब्धियों के आधार पर विभाग ने विशेष अभियान 5.0 की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें स्वच्छता, अभिलेख प्रबंधन और ई-कचरा प्रबंधन नियम, 2022 के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उत्तरदायी निपटान सहित सतत प्रथाओं पर ज़ोर दिया जाएगा। विशेष अभियान 4.0 (2 - 31 अक्टूबर, 2024) के दौरान, विभाग और उसके संगठन-राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केंद्र संगठन और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान-ने संसद सदस्य संदर्भ, संसदीय आश्वासन, लोक शिकायत और पीजी अपील की पेंडेंसी को कम किया तथा व्यवस्थित रिकॉर्ड और स्क्रैप निपटान किया एवं व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया के नेतृत्व में गुजरात के पोरबंदर बीच पर एक राष्ट्रव्यापी समुद्र तट सफाई कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें 700 समुद्र तटों और तटीय क्षेत्रों में वरिष्ठ अधिकारियों और 6.22 लाख माई भारत स्वयंसेवकों ने भाग लिया था। ÷स्वच्छता ही सेवा÷ अभियान के तहत देशभर में 1.29 लाख से अधिक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें 15.82 लाख किलोग्राम प्लास्टिक कचरा का एकत्रिकरण किया गया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

नैला दुर्गोत्सव की चमक अपरंपार

कई लाख श्रद्धालु व दर्शनार्थी लगा रहे डुबकी

जांजगीर-चांपा

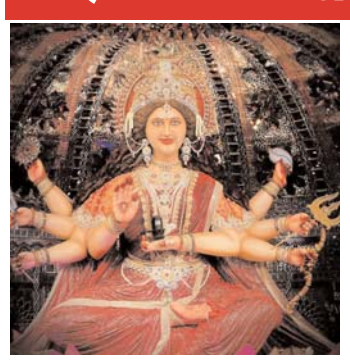

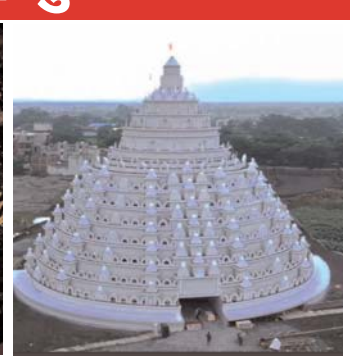

नैला दुर्गोत्सव की चमक प्रतिवर्ष अपरम्पार होते जा रहा है , जिसमें महाकुंभ की तर्ज पर कई लाख श्रद्धालु व दर्शनार्थी डुबकी लगा रहे हैं। यहां यह बताना लाजमी होगा कि इस वर्ष नैला का दुर्गोत्सव भक्ति और भव्यता का ऐसा अद्वितीय संगम बन गया है, जिसने श्रद्धालुओं को श्रद्धा और विस्मय से भर दिया है। म्यांमार के प्रसिद्ध सिनब्यूम पगोडा (श्वेत मंदिर) की तर्ज पर बना 140 फीट ऊंचा और 150 फीट चौड़ा प्रवेश द्वार भक्तों को जैसे किसी स्वर्गद्वार का अनुभव कराता है। पंडाल में प्रवेश करते ही ऐसा प्रतीत होता है मानो अक्षरधाम मंदिर के शीश महल में आ गए हों। चारों ओर फैली रोशनी, रंग-बिरंगी सजावट और नयनाभिराम कला हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस बार मां दुर्गा लक्ष्मी स्वरूप में कमल पर विराजमान हैं। 35 फीट ऊंची प्रतिमा को सोने-चांदी, हीरे-मोती और अन्य रत्नों से भव्य रूप से सजाया गया है। विशेष श्रृंगार में सजी मां की प्रतिमा का तेज भक्तों के मन में आस्था की लौ जगा देता है। सबसे बड़ा आकर्षण है देवी की ठुड्डी पर जड़ा 70 लाख रुपए मूल्य का हीरा, जो जैसे ही रोशनी की किरणों से टकराता है, पूरे पंडाल को दिव्य आभा से नहला देता है। हर दिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु इस अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। दूर-दूर से आए भक्त यहां भक्ति, भव्यता और सांस्कृतिक वैभव का अद्भुत अनुभव लेकर लौट रहे हैं। नैला का यह दुर्गोत्सव अब केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रद्धा का महाकुंभ बन गया है।

दुर्गोत्सव को लेकर नैला की खास पहचान -

दुर्गोत्सव को लेकर सांस्कृतिक नगरी नैला की देशभर में खास पहचान बन चुकी है। यहां का दुर्गोत्सव छत्तीसगढ़ ही नहीं, वरन पूरे भारत की शान बन गई है , यही वजह है कि यहां स्थापित माता की प्रतिमा का दर्शन करने कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन पहुंचते हैं। इसे देखने के लिए प्रदेश ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश, ओडिशा, बिहार, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, झारखंड सहित अन्य कई राज्यों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में ट्रेन में सवार होकर पहुंच रहे हैं जिसके चलते रेल्वे स्टेशन पर भारी भीड़ जमा हो जा रहा है जबकि चारों दिशाओं में चार पहिया वाहनों की लंबी लंबी कतार भी प्रतिदिन देखने को मिल रहा है ।

संघ शताब्दी वर्ष पथ संचलन आज

जांजगीर चाम्पा // राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की स्थापना के इस वर्ष 100 साल पूरे हो रहे है , अपनी स्थापना के 100 साल पूरे होने पर आरएसएस शताब्दी वर्ष का आयोजन हो रहा है । इस निमित नगर में विष्णु मंदिर बस्ती में शताब्दी वर्ष विजयादशमी उत्सव सिटी क्लब कचहरी चौक जांजगीर में आयोजित है, साथ ही पथ संचलन होगा जिसमें सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में कार्यक्रम में उपस्थित होंगे ।

शिवरीनारायण मठ में होगा गद्दी महोत्सव

जांजगीर चांपा / श्री दूधाधारी मठ तथा श्री शिवरीनारायण मठ पीठाधीश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज दशहरा उत्सव के पावन अवसर पर अनेक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार वे 2 अक्टूबर 2025 को सुबह 10 बजे श्री दूधाधारी मठ से चलकर जैतू साव मठ पुरानी बस्ती रायपुर में दशहरा उत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले अस्त्र -शास्त्र हवन पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, दोपहर 12 :00 बजे से लेकर 2 :30 बजे तक श्री दूधाधारी मठ में अस्त्र-शस्त्र हवन पूजन का कार्यक्रम संपन्न करेंगे। अपराह्न 3 :00 बजे श्री दूधाधारी मठ से रवाना होकर शाम 5 :00 शिवरीनारायण मठ पहुंचेंगे यहां 5 :30 बजे जनकपुरी (जोगी डीपा) मेला ग्राउंड के शमी पूजन शोभा यात्रा में सम्मिलित होंगे, 6 :30 बजे से मठ में गद्दी महोत्सव का कार्यक्रम प्रारंभ होगा। वे हवन पूजन के पश्चात गद्दी पर विराजित होंगे यह कार्यक्रम भगवान शिवरीनारायण के दर्शन पूजन के साथ लगभग रात्रि 10 :00 बजे संपन्न होगा।

कोटमीसोनार में किया गया स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण

वन विभाग जांजगीर चांपा का आयोजन

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत ÷सेवा पर्व पखवाड़ा÷ अभियान 2025 के तहत जांजगीर चाम्पा सक्ती वनमण्डल के अंतर्गत् मगरमच्छ संरक्षण आरक्षिति केन्द्र, कोटमीसोनार में स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिकारियों,कर्मयारियों, जनभागीदारी के सदस्यों एवं वनरक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पार्क परिसर में सफाई अभियान चलाकर ÷स्वच्छता ही सेवा के थीम पर स्वच्छ भारत की ओर बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे ने बताया कि 2 अक्टूबर 2025 से मगरमच्छ पार्क को वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 27 (4) के अंतर्गत् ÷नो प्लास्टिक जोन÷ क्षेत्र घोषित किया गया है। बाहर से पार्क भ्रमण करने आये पर्यटकों एवं आसपास के ग्रामीणों को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी तथा संपूर्ण पार्क परिसर संरक्षित क्षेत्र होने के कारण कूड़ा-कचरा न करने की अपील की गई ।

कार्यक्रम में सरपंच कोटमीसोनार श्रीमती रेखा सोनी, जनभागीदारी के सदस्यों, विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों एवं प्रशिक्षु वनरक्षक प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा पार्क में उन्नयन कार्य के अंतर्गत 500 छायादार पौधे लगाए गए। वनमण्डलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे ने कार्यक्रम में में कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण का साधन है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायिनी भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी उपस्थितों से कहा कि लगाए गए सभी पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करें। इस अवसर पर उपवनमण्डलाधिकारी श्री होरेश चन्द शर्मा, वन परिक्षेत्र अधिकारी बलौदा श्री एस.पी. राठिया, सहायक अनुदेशक श्री छोटे लाल डनसेना, वन परिक्षेत्र अधिकारी सक्ती श्री जितेन्द्र कुमार कंवर, वनपाल श्री विजेन्द्र सिंह ठाकुर, श्री अजय कुमार राठौर, पार्क प्रभारीश्री मुश्ताक एवं स्थानीय नागरिकों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सभी ने मिलकर पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

पुलिस ने सामूहिक अनाचार के आरोपियों को चौबीस घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

चांपा थाना क्षेत्र की मामला

जांजगीर चांपा / पुलिस ने चांपा थाना क्षेत्र में घटित सामुहिक अनाचार के मामले में आरोपीयों को चौबीस घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है । घटना में दिनांक 30 सितंबर 2025 को थाना चांपा में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 28-29 सितंबर की दरम्यानी रात करीब 1:30 बजे से 2 बजे के बीच चांपा क्षेत्र में कुछ युवकों ने मोटरसाइकिल में बैठाकर उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर बारी -बारी से सामूहिक अनाचार किया एवं मौके से फरार हो गए। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) चांपा यदुमणि सिदार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी चांपा जयप्रकाश गुप्ता एवं साइबर सेल प्रभारी सागर पाठक के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा चांपा क्षेत्र के विभिन्न संभावित सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान करने में सफलता प्राप्त की गई। टीम द्वारा तत्परता से की गई कार्रवाई में कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों में पदीप मनहर पिता दिलीप मनहर, उम्र 19 वर्ष निवासी घोघरा नाल डिपरापारा वार्ड नंबर 14 चांपा , शिवम बंजारे पिता पंचराम बंजारे, उम्र 19 वर्ष निवासी घोघरानाला डिपरापरा वार्ड नंबर 14 चाम्पा ,

कृष्णा खुटे पिता मुकेश खुटे, उम्र 19 वर्ष निवासी घोघरानाला डिपरापरा वार्ड नंबर 14 चाम्पा,

अनिल महिलांगे पिता दिलेराम महिलांगे उम्र 19 वर्ष घोघरानाला मण्डल पारा वार्ड नंबर 13 चाम्पा ,

सुरज टंडन पिता अयोध्या प्रसाद टंडन, उम्र 19 वर्ष घोघरानाला चांदुपारा वार्ड नंबर 14 चाम्पा , दीपेश कुमार कुर्रे पिता रोहित कुमार कुर्रे, उम्र 19 वर्ष घोघरानाला डिपरापरा वार्ड नंबर 14 चाम्पा , शानू मीरझा पिता शांति लाल मीरझा उम्र 19 वर्ष निवासी सभी आरोपी घोघरा नाला चांपा शामिल है। पूछताछ में सभी आरोपियों ने अपराध करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि वे एक सांस्कृतिक कार्यक्रम से लौटते समय महिला को अकेला पाकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिए।

पुलिस टीम ने तत्परता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर समाज में एक सशक्त संदेश दिया है कि ऐसे जघन्य अपराधों में संलिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। जिला पुलिस कप्तान विजय कुमार पाण्डेय ने इस प्रकरण में पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि अज्ञात आरोपियों को जल्द ही पतासाजी कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने में तत्परता बरती है यह कार्रवाई महिलाओं एवं समाज की सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारी प्राथमिकता यह है कि किसी भी महिला के साथ अपराध करने वाले अपराधियों को शीघ्र ही कानून के कठघरे में खड़ा किया जाए।

उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी चंपा निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक सागर पाठक, साइबर टीम से एएसआई विवेक सिंह, प्रधान आरक्षक मनोज तिग्गा, प्रधान आरक्षक विवेक सिंह, आरक्षक माखन साहू, गिरीश कश्यप, प्रदीप दुबे, शाहबाज खान, रोहित कहरा, श्रीकांत सिंह, थाना चाम्पा से उप निरीक्षक सीलमनी टोप्पो, सहायक उप निरीक्षक अरुण सिंह, ज्ञान प्रकाश खाखा प्रधान आरक्षक वेंकट पाटले, आरक्षक शंकर सिंह राजपूत, आकाश कलोसिया मुद्रिका दुबे, वीरेश सिंह, भूपेंद्र गोस्वामी की विशेष भूमिका रही।

नैला में होगा नवधा रामायण का आयोजन

जांजगीर चांपा / श्री शिव शक्ति धर्म सेवा समिति नैला द्वारा 05 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक नवधा रामायण का आयोजन किया जा रहा है। श्री शिव शक्ति धर्म सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम मंदिर रेलवे स्टेशन नैला के सामने नवधा रामायण का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे धार्मिक आयोजन से हमारी युवा पीढ़ी सीख लेती है तथा उनमें नैतिक मूल्यों का विकास होता है। सामाजिक सद्भावना बनाये रखने के लिए एवं युवा पीढ़ी को चारित्रिक पतन से बचाने के लिए ऐसे धार्मिक आयोजन अत्यावश्यक हैं। राम चरित मानस मनुष्य को जीवन जीने की कला सीखाती है। उन्होंने कहा कि राम चरित मानस में युवा पीढ़ी के लिए जीवन मूल्यों, त्याग, मर्यादा और संघर्ष में धैर्य रखने की सीख है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह ग्रंथ भगवान श्री राम के चरित्र के माध्यम से परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का आदर्श प्रस्तुत करता है, जिससे आज की युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सकती है। यह न केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन देता है बल्कि सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों पर भी प्रकाश डालता है। यह चरित्र निर्माण एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में आवश्यक है।

श्री कश्यप ने आगे बताया कि नवधा में उत्कृष्ट गायन करने वाले मानस मंडलियों के लिए पुरूस्कार की भी व्यवस्था की गई है। प्रथम पुरूस्कार प्राप्त करने वाले 03 मंडलियों को 7001 रू. प्रत्येक को, द्वितीय पुरूस्कार के रूप में 5001 रू. 03 मंडलियों को , तृतीय पुरूस्कार के रूप में 3001 रू. 03 मंडलियों को तथा सांत्वना पुरूस्कार के रूप में 1100 रू. प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिनांक 11.10.2025 को प्रसिद्ध गायक श्री नीलम जैन की प्रस्तुति होगी जो कि हू-ब-हू बॉलीवुड गायक श्री रविन्द्र जैन की आवाज में गाते हैं। श्री कश्यप ने समस्त क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर नवधा रामायण का श्रवण कर पुण्य के भागी बनें।

मां शिरीष पाठ मंदिर में सप्तमी अष्टमी को उमड़ी दर्शनार्थियों की सैलाब : कई हजार श्रद्धालुओ ने किए दर्शन पूजन

जांजगीर चांपा /

मां शिरीष पाठ मंदिर डोंगाकोहरौद में सप्तमी अष्टमी को दर्शनार्थियों की सैलाब उमड़ पड़ी और हजारों श्रद्धालुओ ने माता की दर्शन पूजन कर आशिर्वाद प्राप्त किए । ऐसे तो नवरात्र के प्रथम दिवस से भक्तगण दर्शन पूजन के लिए पहुंचते रहे किंतु सप्तमी अष्टमी को माता दर्शन की विशेष महिमा मानकर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से लेकर देर रात्री तक दर्शनार्थी पहुंचते रहे ।

दूसरी तरफ स्थानीय ग्रामवासी महिला पुरुष लोट मारते मारते माता के मंदिर तक पहुंचे और माता की पूजा अर्चना किए। पूरे नवरात्र की पर्व में स्थानीय जनों के साथ आसपास के गांव मेकरी , भिलौनी , केसला , धनगांव, पामगढ़ सहित दूर दराज के गांवों व अन्य जिलों से भी दर्शनार्थी पहुंचते रहे । नवरात्र की सफल बनाने के लिए नवजागरण शिरीष कल्याण सेवा समिति के पदाधिकारियों सदस्यों के साथ ग्राम पंचायत व ग्रामवासियों ने अपना भरपूर सहयोग किया । हवन पूजन के साथ हुई कन्या पूजन - अष्टमी को हवन पूजन का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य हेमंत चौबे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन संपन्न कराए ,तत्पश्चात कन्या पूजन की गई जिसमें नव कन्याओं के साथ भैरव बाबा की पूजा अर्चना कर भोजन कराई गई ।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जिले में वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह आयोजित

विधायक, कलेक्टर,जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक हुए शामिल

जांजगीर-चांपा

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष ÷सेवा पखवाड़ा 2025÷ के अंतर्गत आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा ऑडिटोरियम, जांजगीर में वरिष्ठजनों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक जांजगीर चांपा श्री ब्यास कश्यप , पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व विधायक श्री अम्बेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, जांजगीर-नैला नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल , उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव, श्रीमती कन्हैया सूर्यवंशी, श्री गुलाब सिंह चंदेल, श्री राम कुमार, श्री अर्जुन राठौर, इंजी रवि पांडे, श्रीमती नंदनी रजवाड़े, श्रीमती कविता तिवारी, श्री संतोष राठौर, श्री आर. के. थवाईत, श्री के. सी. राठौर,कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ,जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, एसडीएम चांपा श्री पवन कोसमा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज बर्मन सहित अन्य गणमान्यजन एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विधायक जांजगीर चांपा श्री ब्यास कश्यप ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति की परंपरा रही है कि वरिष्ठजनों का सम्मान और प्रणाम किया जाए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1 अक्टूबर 1991 से दिवस मनाया जा रहा है , ताकि वरिष्ठजनों के सम्मान और सुरक्षा पर ध्यान दिया जा सके। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग केवल उम्र में बड़े नहीं होते, बल्कि वे ज्ञान, अनुभव और संस्कारों के प्रतीक होते हैं। समाज का दायित्व है कि वे उन्हें उचित सम्मान दें और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखें।पूर्व विधायक श्री अम्बेश जांगड़े ने कहा कि यह दिन वरिष्ठजनों के सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज और परिवार की नींव होते हैं, उनके अनुभव और मार्गदर्शन से ही हम सही दिशा में आगे बढ़ते हैं। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस न केवल वरिष्ठजनों के सम्मान का दिन है, बल्कि यह समाज को यह स्मरण दिलाने का अवसर भी है कि बुजुर्ग केवल घर की नींव नहीं, बल्कि समाज की जड़ें हैं। इस समारोह के माध्यम से हम न केवल बुजुर्गों का अभिनंदन कर रहे हैं, बल्कि उनके प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कर रहे हैं। हमारा उत्तरदायित्व है कि हम उन्हें सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान प्रदान करें। वे एक संयुक्त परिवार की आधारशिला हैं।इस अवसर पर पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले,नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल सहित जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया ।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ नागरिकों को शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरणों,व्हील चेयर व ट्राइसिकल का वितरण किया गया । कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने वरिष्ठजनों की स्वास्थ्य जांच कर परामर्श दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि अधिनियम के प्रावधानों के तहत वरिष्ठजनों के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए शासन प्रतिबद्ध है।

नेता प्रतिपक्ष डा. महंत ने सपरिवार नैला में की दर्शन पूजन

जांजगीर - चांपा द्य जिले में एवं जिला मुख्यालय जांजगीर नैला में नवरात्रि पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है, जहां छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने श्री श्री दुर्गा उत्सव में विराजमान आदि शक्ति माता के पंडाल पहुंचकर नवरात्रि पर्व पर सपत्नीक पूजा अर्चना किया । इसी श्रृंखला में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महन्त एवम कोरबा की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महन्त एवम अपने पुत्र सूरज महन्त के साथ पहुंच कर पूजा अर्चना किया । उन्होंने क्षेत्र के एवं जिले के लिए कुशलता एवं खुशहाली की कामना की द्य इस दौरान समिति के प्रमुख सेवादार राजेश पालीवाल ,मदन अग्रवाल, सौमित्र शर्मा ,अमिताभ शर्मा सहित अनेक लोग मौजूद रहे द्य

खास खबर

बेकाबू बाइक खंभे से टकराई, एक युवक की मौके पर मौत, दो गंभीर घायल हादसे का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें तेज रफ्तार बाइक सवार तीन युवक सड़क किनारे खंभे से टकरा गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना रविवार सुबह की है, जिसका ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज अब वायरल हो रहा है।

मृतक की पहचान 24 वर्षीय अमन जांगड़े के रूप में हुई है, जो अपने दो दोस्तों के साथ पाली गांव से किसी काम के सिलसिले में कटघोरा गया हुआ था। लौटते वक्त मदनपुर टोल गेट के पास उनकी तेज रफ्तार बाइक अचानक नियंत्रण खो बैठी और ब्रूम बैरियर से टकराते हुए सीधे खंभे से जा भिड़ी। हादसे की सूचना मिलते ही 112 सेवा और एंबुलेंस मौके पर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने अमन को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही कटघोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों का हाल जाना और मृतक का पंचनामा कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे का ष्टष्टञ्जङ्क वीडियो सामने आने के बाद एक बार फिर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

कोरबा में छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने किया जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी का सम्मान

कोरबा छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने रविवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज का कोरबा प्रवास के दौरान सम्मान किया। इस अवसर पर संघ की ओर से उन्हें साल, श्रीफल और मां सर्वमंगला का चित्र सप्रेम भेंट किया गया। संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अखबार वितरक संघ के निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने हेतु उनके आशीर्वाद भी प्राप्त किए। भवानी मंदिर परिसर में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ÷कृष्ण जन्मभूमि तो मथुरा है, परंतु छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। शीघ्र ही कोरबा में माता कौशल्या का भव्य धाम स्थापित होगा।÷ इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, बालको इकाई के संरक्षक रेशम लाल साहू, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जयकुमार नेताम, कोसा अध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, एनटीपीसी इकाई सचिव रविंद्र सब, सचिन राय सिंह, बालको इकाई कोषाध्यक्ष राकेश साहू सहित संघ के अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा में श्री राम कथा महोत्सव में हुए शामिल

जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य के दर्शन कर लिया आशीर्वाद, प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की

कोरबा । कोरबा के एकदिवसीय प्रवास पर आए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा नगरीय क्षेत्र स्थित भवानी मंदिर परिसर में आयोजित श्री राम कथा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने परिसर में राम कथा वाचन के लिए आए श्री श्री 1008 जगद्गुरू रामभद्राचार्य के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महोत्सव में आए श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए सभी को नवरात्रि एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु के कोरबा आगमन से ऊर्जाधानी की धरती धन्य हो गयी है। उनका आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे।

उन्होंने कार्यक्रम की आयोजन कर्ता ज्योति पांडे को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी माता कौशिल्या का मायके एवं हमारे आराध्य भगवान श्री राम का नौनिहाल है। यहां प्रभु श्री राम ने माता सीता एवं भाई लक्ष्मण के साथ अपने वनवास के दौरान अधिकांश समय यहां व्यतीत किया है। राजिम में भगवान श्री राम व माता सीता द्वारा कुलेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की गई है। जहां प्रतिवर्ष कुंभ मेला का आयोजन किया जाता है। हजारों श्रद्धालु स्नान कर पुण्य प्राप्त करते है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी को पूरा करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आने वाले दिनों में हमारा राज्य विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में स्थापित होगा। देश के गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने का ध्येय रखा गया है । प्रदेश में नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। हमारे जवान बड़े साहस से नक्सलियों का सामना कर रहे है एवं हमें लगातर सफलता मिल रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में विकास की गंगा बहेगी। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के खिलाफभी राज्य में कड़े नियम बनाकर कड़ाई के साथ लागू किया जाएगा।उन्होंने बताया कि श्री राम लला दर्शन योजना के माध्यम से राज्य से प्रतिमाह हजारों भक्तों को सरकारी खर्च से अयोध्या धाम में श्री राम के दर्शन का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जगद्गुरू के अपील पर भवानी मंदिर स्थल का नामकरण कौशल्या धाम करने की घोषणा की।'

मुख्यमंत्री ने भवानी मंदिर एवं नव-निर्मित कौशल्या धाम मंदिर में की पूजा-अर्चना' इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंदिर परिसर में माता भवानी एवं कौशल्या धाम मंदिर पहुँचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, शांति और समृद्धि की मंगल कामना की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-पाठ करते हुए माता की प्रतिमा पर नारियल, पुष्प, चंदन एवं फल अर्पित कर आरती की। मुख्यमंत्री श्री साय ने नव-निर्मित कौशल्या धाम मंदिर में माता कौशल्या की मूर्ति का नमन किया। मंदिर में माता कौशल्या की गोद में बाल रूप में भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। जो कि मंदिर के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन कर निर्माण कार्य की सराहना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से मुलाकात की ।

एचटीपीएस के आवासीय परिसर में मुख्य अभियंता ने रोपा कटहल का पौधा

सेवा पखवाड़ा में 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत फलदार पौधे लगाए गए

कोरबा संवाददाता

हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में जनसेवा का पर्व 'सेवा पखवाड़ा' में अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत आवासीय परिसर में फलदार पौधे लगाए गए। मुख्य अभियंता श्री पीके. श्रीवास्तव ने कटहल का पौधा अपने हाथों से रोपा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाकर पर्यावरण का संरक्षण करना हमारा ध्येय होना चाहिए।

जनसेवा के इस महाअभियान 'सेवा पखवाड़ा' में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके गुप्ता, पीके स्वैन, केएनबी राव और एससी पाठक द्वारा भी अपने हाथों से पौधे लगाए गए। कटहल, अमरूद, इमली व अन्य विविध प्रकार के फलदार पौधों का रोपण उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया। हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में शासकीय कार्यक्रम के अनुसार यहां 'सेवा पखवाड़ा' का आयोजन 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक किया जा रहा है। 'एक पेड़ मां के नाम' मां को समर्पित अभियान है। इसी परिप्रेक्ष्य में जनसंपर्क अधिकारी बसंत शाहजीत द्वारा परिवार के प्रति मां के त्याग व समर्पण का बखान करती कविता 'मां की दुनिया' सुनाकर दुनिया की सभी मांओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। पौधरोपण का यह वृहद कार्यक्रम सिविल विभाग एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता (तकनीकी एवं सहायक सेवाएं)कार्यालय की टीम के समन्वय से कराया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) विकास उइके एवं आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता जीडी बर्वे द्वारा किया गया।

जिला कांग्रेस कार्यालय में शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती मनाई गई

कोरबा संवाददाता।

जिला कांग्रेस कार्यालय टीपी नगर में शनिवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद भगत सिंह के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि भारत की आजादी का इतिहास उन अमर शहीदों के रक्त से लिखा गया है जिनके बलिदान ने जनमानस को झकझोरा। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह ने अपनी वीरता और त्याग से साम्राज्यवादियों के छक्के छुड़ा दिए और परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़कर स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने भगत सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 24 मार्च 1931 को फांसी देने का समय तय था, लेकिन अंग्रेज हुकूमत ने भय के कारण 23 मार्च की रात को ही उन्हें उनके साथियों सुखदेव व राजगुरु के साथ फांसी पर चढ़ा दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नत्थु लाल यादव ने बताया कि फांसी के बाद ब्रिटिश सरकार ने तीनों शहीदों के शव परिजनों को नहीं सौंपे, बल्कि अपमानित करने की नीयत से उन्हें टुकड़ों में बांधकर बोरियों में भर रातों-रात फिरोजपुर के पास सतलुज किनारे मिट्टी तेल छिड़ककर जला दिया।

पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी ने कहा कि इस घटना से पूरे देश में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई थी। अंग्रेजों के दिमाग में शहीद भगत सिंह का खौफइतना था कि वे उनके चित्र तक जब्त करने लगे, लेकिन हिंदुस्तान ने ठान लिया था कि भारत को आजाद कराकर ही दम लेगा। इस मौके पर पार्षद मुकेश राठौर, अनुज जायसवाल, नारायण कुर्रे, डॉ. रामगोपाल कुर्रे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता लक्ष्मी नारायण देवांगन, गजानंद साहू, गणेश दास, जवाहर निर्मलकर।

सर्वमंगला बुनकर सहकारी समिति पुलालीकला के संचालक मण्डल सदस्यों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी

कोरबा संवाददाता

विकासखंड पाली के सर्वमंगला बुनकर सहकारी समिति मर्यादित पुलालीकला, पंजियन क्रमांक 319 हेतु संचालक मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत 03 अक्टूबर 2025 प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 03:30 बजे तक नामांकन पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा। 11 अक्टूबर 2025 को सोसायटी की विषेष साधारण सम्मिलन में प्रातः10 बजे से दोपहर 03 बजे तक मतदान एवं मतदान के एक घंटे के बाद समिति कार्यालय में मतगणना आयोजित की जाएगी। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों के निर्वाचन 17 अक्टूबर 2025 को समय 11:30 बजे से 3:30 बजे तक समिति कार्यालय में आयोजित की जाएगी। सदस्य निर्वाचन कार्यक्रम के संबंध में अधिक जानकारी के लिए सोसायटी के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं।समिति के संचालक मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु श्री एच. के. चैहान सहकारी निरीक्षक, कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं कोरबा को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

नवरात्र पर भक्तिभाव से पूजा अर्चना हो रही वैष्णो दरबार में

कोरबा, संवाददाता

नगर के सीतामढ़ी क्षेत्र स्थित वैष्णो दरबार में नवरात्र पर भक्ति भाव के साथ देवी की पूजा अर्चना जारी है। मंदिर की स्थापना के दौरान पिछले दशक में कटरा से लाई गई ज्योति अखंड रूप से प्रज्वलित है इसलिए इस मंदिर का अपना खास महत्व है।

अश्विन नवरात्र पर्व पर शक्ति के अनुष्ठान के लिए इस मंदिर में कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से बताया गया कि नित्य पूजा अर्चना के साथ देवी का पाठ किया जा रहा है। देवी के भक्तों और अनेक परिवारों ने भोग प्रसाद और भंडारा की व्यवस्था की है। समिति से जुड़े सदस्यों का भरपूर सहयोग इस धार्मिक अनुष्ठान को ऊंचाई देने में लगातार प्राप्त हो रहा है। पंडित भागवत प्रसाद तिवारी और शिवानंद झा के पौरोहित्य में मंदिर के वैदिक कार्य संपन्न कराए जा रहे हैं। इस बार नवरात्र पर्व 10 दिन का होने के कारण देवी के भक्तों में विशेष उत्साह है। अपूर्व नगर सहित उपनगरीय क्षेत्र और आसपास के क्षेत्र से श्रद्धालुओं की पहुंच यहां तक हो रही है।

गुफा से होकर पहुंचते हैं गर्भगृह तक

मंदिर का निर्माण करने के दौरान इस बात को ध्यान में रखा गया कि रियासी जिले में स्थित वैष्णो देवी मंदिर का एहसास लोग यहां पर कर सके। इसलिए भूतल से प्रवेश द्वार तैयार करने के साथ आगे सुरंग जैसा रास्ता बनाया गया। यहां से होकर श्रद्धालुओं को बीच में कई जगह दर्शन होते हैं और इसके बाद में गर्भगृह तक पहुंचते हैं। इस नवरात्र पर भूतल परिसर में जोत जवारा की स्थापना करने के साथ 599 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं।

अवैध रेत परिवहन करते 8 ट्रैक्टर पकड़े गए, एसडीएम तन्मय खन्ना की कार्रवाई से कटघोरा में हड़कंप

कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र से होकर बहने वाली जीवनदायनी नदी अहिरन का सीना चीर कर अवैध रूप से रेत का खनन और परिवहन करने वालों के विरुद्ध नव पदस्थ एसडीएम तन्मय खन्ना की कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। उन्होंने हाल फिलहाल कार्रवाई करते हुए कुल आठ ट्रैक्टरों की जप्ती कराई है जिनमें अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा था। रेत परिवहन के संबंध में किसी भी तरह के दस्तावेज उन्हें मौके पर उपस्थित चालक व उसके साथ मौजूद लोगों से नहीं मिले। दो दिन की कार्रवाई में कुल 8 ट्रैक्टर-ट्राली की जप्ती करते हुए इन्हें पुलिस अभिरक्षा में कटघोरा थाना परिसर में रखवाया गया है। एसडीएम तन्मय खन्ना (आईएएस) ने कहा है कि रेत का अवैध रूप से दोहन करने वालों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। अवैधानिक कार्य करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। कार्रवाई की कड़ी में तालिब मोहम्मद - सीजी12बीआर3905, शाहिद मोहम्मद-सीजी12एआर9602, रामलाल दिवाकर-सीजी12एके1673, महेश सिंह-सीजी11बीके6546 के ट्रेक्टर सहित कुल 8 ट्रेक्टर-ट्राली रेत सहित जप्त किए गए हैं।

फोन घनघनाते रहे, एप्रोच काम न आया

सूत्र बताते हैं कि पकड़े गए ट्रैक्टरों को छुड़वाने के लिए भाजपा से जुड़े कुछ नेताओं के फोन घनघनाना शुरू हो गए लेकिन सख्ती के आगे कोई अप्रोच काम नहीं आया है। सभी 8 ट्रैक्टर कटघोरा थाना परिसर में मौजूद नजर आ रहे हैं। यहां यह भी बताना लाजिमी होगा कि जिले भर में रेत के अवैध खनन और परिवहन का कारोबार बारिश के दौरान भी बिल्कुल नहीं थमा जबकि इस अवधि में केंद्रीय एजेंसी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के द्वारा नदी क्षेत्र से खनन व परिवहन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाता है।

रेत के अवैध कारोबार का ताना-बाना ऐसा बुना हुआ है कि रेत माफिया प्रशासन को अपनी जेब में रखते हुए काम कर रहे हैं। उन्हें न सिर्फअपने राजनीतिक आकाओं का संरक्षण प्राप्त है, बल्कि कुछ राजनेता और उनके पिछलग्गू भी इस धंधे में हाथ आजमा रहे हैं। उनके राजनीतिक रसूख के आगे कई बार, बार-बार प्रशासन को बेबस होना पड़ता है और कार्रवाई से हाथ खींच लेते हैं। पुलिस प्रशासन तो इस मामले में पूरी तरह से बेबस ही नजर आया है, बिना नंबर के चलने वाले ट्रैक्टर और ट्राली पर सीधी कार्रवाई कर सकें। सूचनाओं पर खनिज विभाग जरूर दबिश देकर कार्रवाई करता नजर आता है।

कटघोरा सीएचसी में समय पर नहीं आते डॉक्टर, मरीज परेशान

कोरबा,। जिले के सब डिवीजन मुख्यालय कटघोरा स्थित कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में प्रदेश सरकार के द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी कर दी गई है लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि डॉक्टर समय पर नहीं पहुंचते। इसके चलते ओपीडी का संचालन बाधित हो रहा है और मरीज परेशान हो रहे हैं। पिछले कुछ महीनो से कटघोरा के सरकारी अस्पताल में व्यवस्थाएं एक तरह से हासीए पर चली गई है और अव्यवस्था का कब्जा हो गया है। हालात इस प्रकार के बन चुके हैं कि जिन डॉक्टरों की नियुक्ति यहां पर की गई है वह अपने कामकाज के मामले में गंभीरता का प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। खबर के अनुसार व्यवस्था के अंतर्गत ओपीडी में डॉक्टर के बैठने की समय सारणी निर्धारित की गई है लेकिन मरीज का अनुभव इस प्रकार का है कि डॉक्टर अपनी सीट पर पहुंचते ही नहीं। इसके लिए उनकी प्रतीक्षा करनी पड़ती है। ऐसे में उन मरीजों के लिए काफी मुश्किल हो जाते हैं जो या तो दूर से यहां पहुंचते हैं या फिर कामकाजी श्रेणी के होते हैं। जानकारी मिली है कि कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में रात्रि कालीन ड्यूटी में भी डॉक्टर की उपस्थिति ना के बराबर होती है। आपात स्थिति में फोन करने के बाद उन्हें यहां बुलवाया जाता है और तब कहीं जाकर मरीजों की समस्या का समाधान हो पाता है। कम्युनिटी हेल्थ सेंटर की व्यवस्था मैं इस कदर फॉल्ट बने होने से खासतौर पर मरीज परेशान है। कहा गया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी से लेकर आए दिन इसी रास्ते से आना-जाना करने वाले स्वास्थ्य मंत्री को भी इस बारे में जानकारी दी जा चुकी है लेकिन इसके बाद भी यहां के कुप्रबंधन को दूर नहीं किया जा सका है।

मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट दिव्य धुन के बच्चों को दी 11 हजार की प्रोत्साहन राशि

रायपुर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि मंडपम रायपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस कार्यक्रम में *प्रोजेक्ट दिव्य धुन* के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों ने तबला, गायन एवं अन्य विधाओं में मनमोहक प्रस्तुति दी। *मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय* ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप 11 हजार की राशि प्रदान की। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया प्रोजेक्ट दिव्य धुन के अंतर्गत दृष्टिबाधित बच्चों को कलाकेंद्र रायपुर में संगीत व वाद्य यंत्रों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सेवा पखवाड़ा में भाजपा मंडल नगरी की भव्य बैठक, पेंशनर्स भवन में गूंजे विकसित भारत व जीएसटी के स्वर

प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ, नेहरू निषाद का हुआ ऐतिहासिक स्वागत

नगरी, भारतीय जनता पार्टी मंडल नगरी द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नगर के पेंशनर्स भवन में विकसित भारत एवं जीएसटी फॉर्म-02 विषयक संगोष्ठी एवं मंडल बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के पेंशनर समाज के प्रबुद्ध जनों ने बड़ी संख्या में शिरकत की और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। साथ ही जीएसटी पर दी गई छूट को जन-हितैषी कदम बताते हुए प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक को संबोधित करते हुए पिछड़ा वर्ग मोर्चा आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई है। उन्होंने देश के शौर्य, विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इसे नए भारत का स्वर्णिम युग करार दिया। पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन नाहटा एवं वरिष्ठ नेता रवि दुबे ने जीएसटी फॉर्म-02 पर प्रकाश डालते हुए इसे व्यापारी वर्ग एवं पेंशनर्स के लिए बड़ी राहत बताया। मंडल प्रभारी रवि दुबे ने वहां उपस्थित समस्त लोगों को स्वदेशी अपनाने हेतु संकल्प दिलवाया कार्यक्रम को पूर्व विधायक श्रवण मरकाम जी ने भी संबोधित किया

इस अवसर पर निषाद समाज की ओर से आयोग अध्यक्ष बने श्री नेहरू निषाद जी का भव्य स्वागत किया गया।

बुजुर्गों की विशेष देखभाल के लिए राज्य में सियान गुड़ी

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर रायपुर में राज्य स्तरीय आयोजन,मुख्यमंत्री ने कहा- वृद्धजनों के सम्मान और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

रायपुर, बिलासपुर कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल पर बनेंगे सर्वसुविधायुक्त वृद्धाश्रम

पुनर्वास उपकरणों की रिपेयरिंग के लिए रायपुर में शुरू होगा सर्विस सेंटर

रायपुर (लोकशक्ति)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि वृद्धजन हमारे मार्गदर्शक और अमूल्य संस्कृति के वाहक हैं। वृद्धजनों की देखभाल सरकार और समाज दोनों की साझी जिम्मेदारी है। केंद्र और राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों के पेंशन, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन के लिए समर्पित योजनाओं को लगातार मजबूत बना रही है। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कृषि मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के राज्य स्तरीय आयोजन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वृद्धजनों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने बुजुर्गों की विशेष देखभाल के लिए राज्य में सियान गुड़ी, प्रदेश के चार बड़े शहरों रायपुर, बिलासपुर कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल पर सर्वसुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाने और दिव्यांगजनों के सहायक उपकरणों के रिपेयरिंग के लिए राजधानी रायपुर में सर्विस सेंटर बनाने की घोषणा की। श्री साय ने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राज्यभर में जागरूकता हेतु 25 नशामुक्ति रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं नृत्य प्रस्तुति दी गई और स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वृद्धजन दिवस हमें अपने दायित्वों को याद दिलाने का अवसर है। मेरे गुरु ने मुझे सिखाया है कि माता-पिता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। मैंने अपने गुरु के संस्कार और आदर्शों का हमेशा पालन किया है। श्री साय ने कहा कि हम सभी को यह सच्चाई नहीं भूलनी चाहिए कि आज हमारे बुजुर्ग जिस अवस्था में है, कल हम सभी उसी अवस्था में होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय और अतिथियों ने जनता से अपील की कि वे वृद्धजनों का सम्मान करें और उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें, ताकि उनका जीवन और अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बुजुर्गों के लिए संचालित पेंशन योजनाओं में 14 लाख से बुजुर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। आयुष्मान भारत और शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अब तक 8 लाख से अधिक बुजुर्गों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी गई है। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना और श्री रामलला दर्शन योजना से 50 हजार से अधिक बुजुर्ग लाभान्वित हुए हैं। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश के 35 वृद्धाश्रमों में 1049 वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल की जा रही है तथा 6 जिलों में प्रशामक देखरेख गृह संचालित हैं। विभागीय हेल्पलाइन के माध्यम से अब तक 54 हजार से अधिक वरिष्ठजनों की समस्याओं का समाधान किया गया है।

इस अवसर पर मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, इन्द्र कुमार साहू, अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त विकास निगम अध्यक्ष लोकेश कावड़िया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यटन साथी पहल : जिला प्रशासन रायपुर और इज माय ट्रिप के बीच एमओयू

कार्यक्रम में पर्यटन साथी पहल के लिए ईज़ माई ट्रिप और जिला प्रशासन के मध्य एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए जिला प्रशासन की टीम को बधाई दी और कहा कि युवाओं के लिए रोजगार नए अवसर खुलेंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन साथी पहल के तहत युवाओं को आईटीआई सङ्क में टूर गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रति बैच 50 युवाओं को शामिल किया जाएगा और प्रशिक्षण तीन महीने में पूरा होगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने किया 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस' का शुभारंभ

रायपुर, (आरएनएस)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड और छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हॉस्पिटैलिटी पार्टनर माइरा रिसॉर्ट कन्वेंशन सेंटर रायपुर में सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस का सफल आयोजन हुआ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्य की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं व योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की नई वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष जसप्रीत भाटिया और टूरिज्म इंडिया एलायंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप भगत मंच पर उपस्थित रहे।

भीमसेन जलप्रपात में दर्दनाक हादसा, फोटो खींचते समय युवक की डूबने से मौत

जगदलपुर, बस्तर जिले के तोंगपाल क्षेत्र में स्थित भीमसेन जलप्रपात में सोमवार को एक दुखद हादसे में 18 वर्षीय युवक की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, विकास मरकाम नाम का युवक अपने दोस्तों के साथ जलप्रपात घूमने आया था। इसी दौरान फोटो खींचते समय उसका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर पड़ा। तेज बहाव के चलते विकास गहराई में चला गया और डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही राज्य आपदा मोचन बल की टीम मौके के लिए रवाना हुई। चूंकि यह इलाका धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में आता है, इसलिए जवानों को वहां तक पहुंचने के लिए विशेष रोड ओपनिंग पार्टी की सहायता लेनी पड़ी। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने युवक का शव पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं सुरक्षा बलों की सतर्कता भी बढ़ा दी गई है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर स्वयं सेवकों का राजधानी में पथ संचलन

रायपुर, । राष्ट्रीय स्वयं सेवक शताब्दी वर्ष पर भारत माता के जय के नारों के बीच पथ संचलन शुरू हो गया है। इसमें स्वयं सेवक गणवेश पहनकर अनुशासनबद्ध पंक्तियों में निकले। विजय दशमी के पावन पर्व पर राष्ट्रीय स्वयं सेवकों द्वारा पथ संचलन किया जाता है। यह संचलन 15 अक्टूबर तक चलेगा। रायपुर में गरीब 200 से अधिक स्थानों पर शाखाएं संचालित होती हैं। रायपुर के प्रमुख महेश बिड़ला एवं छत्तीसगढ़ प्रमुख टोपलाल वर्मा ने बताया कि इसमें मंडल स्तर पर स्वयं सेवक गणवेश पहनकर निकलेंगे। यह पथ संचलन कृषक नगर से प्रारंभ हो गया है, जिसमें महानगर प्रचारक महेश कश्यप शामिल हुए हैं। संघ की स्थापना 1925 में हुई थी। इसमें मुख्य अतिथि के रूप सेवानिवृत्त अपर संचालक डी डी मिश्रा तथा अन्य स्वयं सेवक शामिल हुए। इसके पश्चात पुरानीबस्ती, गुढ़ियारी तथा रायपुर नगर महादेवघाट, शंकर नगर से यात्रा निकली जिसमें स्वयं सेवकों ने भाग लिया।

स्वयं सेवकों के अनुसार शताब्दी वर्ष पर एक सिक्का तथा डाक टिकिट भी जारी की जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)